INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-105 | सांध्य दैनिक | मथुरा, गुरुवार, 11 जून 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

पंचायत चुनाव : 13.06 लाख मतदाता चुनेंगे गांवों की सरकार

यूनिक समय, मथुरा। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव पुनरीक्षण अभियान पूर्ण होने के साथ अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया। 13.06 लाख मतदाता जिले की 495 ग्राम पंचायतों में सरकार चुनेंगे, इसमें 715800 पुरुष और 591050 महिला मतदाता शामिल हैं।

जनपद के 10 ब्लॉकों में कुल 495 ग्राम पंचायतें हैं। कार्यकाल समाप्त होने के बाद चुनाव टलने से प्रधानों को ही प्रशासक बना दिया गया है। अब एक- दो महीने के दौरान क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत का कार्यकाल भी पूरा होने वाला है। पंचायत चुनाव की तैयारियों के चलते बीते दिन अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई है। सभी 495 ग्राम पंचायतों में कुल 13 लाख 06 हजार 850 मतदाता शामिल किए गए हैं। अब यह पंचायत चुनाव में गांव की सरकार तय करेंगे।

सबसे ज्यादा मतदाता बल्देव ब्लाक में

ग्राम पंचायतों के ब्लाकवार मतदाताओं के हिसाब से ब्लाक बल्देव सबसे आगे हैं, जबकि नंदगांव में मतदाताओं की संख्या काफी कम है। बल्देव ब्लाक की 60 ग्राम पंचायतों में 153629 मतदाता है, जबकि नंदगांव ब्लाक की 31 ग्राम पंचायतों में यह मतदाता केवल 94917 है। महिला मतदाताओं का प्रतिशत फरह ब्लाक का बेहतर है।

किस ब्लॉक में कितने मतदाता

ब्लॉक	पुरुष मतदाता	महिला मतदाता	कुल मतदाता
मथुरा-	60099	50375	110474
फरह-	67134	55452	122586
गोवर्धन-	81010	66667	147677
चौमुंहा-	60265	48339	108604
नंदगांव-	52783	42134	94917
छाता-	79202	64846	144048
मांट-	73285	61209	134494
नौहझील-	80844	68466	149310
राया-	77186	63925	141111
बल्देव-	83992	69637	153629
कुल —	**715800**	**591050**	**1306850**

सभी ग्राम पंचायतों में अवलोकन को उपलब्ध

यूनिक समय, मथुरा। एडीएम प्रशासन- निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी पंचायत अमरेश कुमार ने बताया कि जनपद के अंतर्गत समस्त ग्राम पंचायत के समस्त प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों के आलेख्य में संशोधन कर उत्तर प्रदेश पंचायत राज (निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण) नियमावली, 1994 के अनुसार निर्वाचक नामावली तैयार कर प्रकाशित कर दी गई है। नामावली की एक प्रति उनके कार्यालय के अलावा सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी / खंड विकास अधिकारी / संबंधित ग्राम पंचायत कार्यालय में 10 जून से निरीक्षण के लिए उपलब्ध है।

सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर कार्रवाई

मथुरा में नियम तोड़ने पर छह होटल बंद

यूनिक समय, मथुरा। दिल्ली के एक होटल अग्निकांड के बाद प्रशासन अब अलर्ट मोड में है। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन, अग्निशमन विभाग और पर्यटन विभाग की संयुक्त टीम ने शहर के होटल और गेस्ट हाउसों पर विशेष जांच अभियान चलाया। इस दौरान धौलीप्याऊ, मयूर विहार और मालगोदाम रोड स्थित 33 होटल और गेस्ट हाउसों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान टीम ने फायर फाइटिंग सिस्टम, आपातकालीन निकास मार्ग, भवन निर्माण मानकों, सीसीटीवी कैमरों, विद्युत सुरक्षा व्यवस्था और रजिस्टर में प्रविष्टियों की गहन जांच की। इसके साथ ही सराय एक्ट के तहत पंजीकरण, फायर एनओसी, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अनुमति और भवनों के स्वीकृत नक्शों का भी सत्यापन किया गया।

जांच में कई स्थानों पर गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। कई होटल और गेस्ट हाउसों में फायर सेफ्टी उपकरण नहीं मिले या खराब हालत में पाए गए। आपातकालीन निकास मार्ग भी मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए। कुछ जगहों पर लाइसेंस और जरूरी दस्तावेजों की भी कमी मिली।

प्रशासन ने चलाया विशेष जांच अभियान

सुरक्षा मानकों की अनदेखी और जरूरी अनुमति के अभाव के चलते प्रशासन ने छह होटल और गेस्ट हाउस को पूरी तरह मानक विहीन घोषित कर दिया और उन्हें तत्काल प्रभाव से बंद करने के निर्देश जारी किए। इस कार्रवाई के बाद होटल संचालकों में हड़कंप मच गया।

नगर मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्र ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा कि अवैध और असुरक्षित रूप से संचालित संस्थानों के खिलाफ आगे भी लगातार अभियान चलाया जाएगा।

विधानसभा चुनाव जल्द कराने की अटकलें

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कल आएंगे वृंदावन

यूनिक समय, वृंदावन। दिसंबर 26 और जनवरी 27 के मध्य विधानसभा चुनाव कराए जाने की अटकलों के बीच कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राज कल मंदिरों की नगरी आ रहे हैं। वह ठाकुर बांकेबिहारी महाराज मंदिर और राधारमण मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना कर चुनाव की तैयारियों को धार देंगे। बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन करने के बाद वह गोवर्धन जाएंगे और गिरिराज महाराज की परिक्रमा कर चुनाव में कांग्रेस की सरकार बनाने का आशीर्वाद मांगेंगे।

पार्टी की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार,

बांकेबिहारी महाराज मंदिर में विशेष पूजा करेंगे

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय दोपहर तीन बजे फोगला आश्रम के सामने गली स्थित होटल यशोगोपाल रिजाटिको में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं संबोधित करेंगे। सायं 4.30 बजे ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर और राधारमण मंदिर में दर्शन करेंगे। सायं सात बजे गोवर्धन में गिरिराज महाराज की परिक्रमा करेंगे।

राजनीति गलियारों में इस बात की चर्चा है कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष की यह यात्रा काफी अहम है। वजह है कि यूपी विधानसभा चुनाव की अटकलें शुरु हो चुकी है। संभवत यह माना जा रहा है कि चुनाव दिसंबर 26 या जनवरी 27 के मध्य कभी भी हो सकते हैं। इसी कारण कांग्रेस को भी चुनाव के लिए अभी से तैयार होना होगा।

कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय मथुरा संसदीय क्षेत्र की पांच विधानसभा सीटों को लेकर स्थानीय नेताओं से मंत्रणा करेंगे।

महिला बंदियों को मिला स्वरोजगार का अवसर

जिला कारागार में महिला बंदी बनीं आत्मनिर्भर

यूनिक समय, मथुरा। जिला कारागार में निरुद्ध महिला बंदियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल की गई है। कारागार में स्थापित हथकरघा इकाई में पहले से साड़ी, तौलिया और भगवान श्रीकृष्ण की पोशाक और मुकुट तैयार किए जाते हैं। अब महिला बंदियों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की मालाएं भी बनाई जाएंगी।

खजानी वेलफेयर सोसायटी द्वारा पिछले एक सप्ताह से महिला बंदियों को श्रीकृष्ण माला निर्माण का प्रशिक्षण दिया जा रहा था।

प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद महिला बैरक में माला निर्माण कार्य का उद्घाटन जिला जज विकास कुमार,

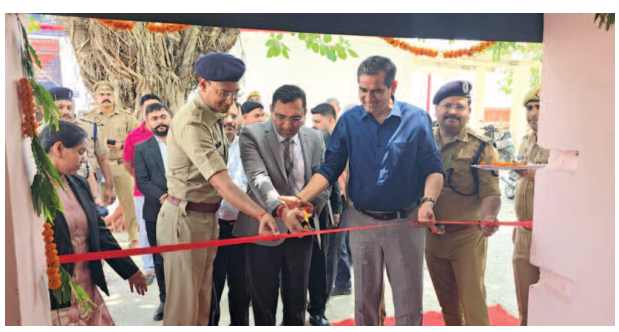

श्रीकृष्ण माला निर्माण कार्य का शुभारंभ करते हुए जिला जज विकास कुमार, डीएम चंद्र प्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार, साथ में जेल अधीक्षक अंशुमान गर्ग।

डीएम चंद्र प्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने फीता काटकर किया। बंदियों से मिलने आने वाले परिजनों की सुविधा के लिए बनाई गई हेल्प डेस्क का भी शुभारंभ जिला जज ने किया। इस दौरान अधिकारियों ने पाकशाला का अवलोकन किया, जहां बंदियों के लिए भोजन तैयार किया जा रहा था। पाकशाला में साफ–सफाई की व्यवस्था संतोषजनक मिली। इसके बाद कारागार चिकित्सालय का निरीक्षण कर अस्पताल में भर्ती बंदियों का हालचाल भी जाना गया। इस मौके पर अपर जिला जज रामकुमार पांडेय, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नितिन दीक्षित, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अनीता सिंह, जेल अधीक्षक अंशुमान गर्ग, चिकित्साधिकारी डॉ. उपेंद्र पाल सिंह सोलंकी, जेलर सुरेंद्र मोहन सिंह, डिप्टी जेलर दुर्गेश प्रताप सिंह, रविंद्र कुमार, हेमराज, मयंक त्रिपाठी सहित अन्य जेल कार्मिक उपस्थित रहे।

जेल में शुरू हुआ माला निर्माण कार्य

शहर में भी ओवरलोडिंग, हादसे का खतरा बढ़ा

टेंपो में क्षमता से अधिक ढोई जा रहीं हैं सवारियां

गोवर्धन रोड पर टेंपो की छत पर सवार यात्री।

टैंक चौराहे पर टेंपो में सवार ओवरलोडिंग सवारियां।

ब्रज दर्शन को आई गाड़ी में सवार क्षमता से अधिक यात्री।

राष्ट्रीय राजमार्ग और गोवर्धन मांग पर दिखते हैं ऐसे नजारे

टेंपो में क्षमता से अधिक सवारी, प्रशासन की अनदेखी से खतरा बढ़ा

सड़क हादसों की आशंका बनी रहती

यूनिक समय, मथुरा। जिम्मेदारों की अनदेखी से किसी दिन हादसा हो सकता है। ओवरलोडिंग सवारियां ढो रहे टेंपो किसी हादसे की वजह बन सकते है। क्षमता से अधिक सवारियों के फेर में यह हादसा होगा। ऐसे ओवरलोडिंग टेंपो राष्ट्रीय राजमार्ग, गोवर्धन रोड के अलावा शहर में सरपट दौड़ रहे है। कमाई के लालच में टेंपो चालक ओवरलोडिंग करके यात्रियों और श्रद्धालुओं की जिंदगी से खेल रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ टेंपो चालक अधिक कमाई के लालच में क्षमता से ज्यादा सवारियां बैठा लेते हैं। कई बार यात्रियों को वाहन के दरवाजों और पीछे लटककर सफर करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इससे सड़क हादसों का जोखिम बढ़ जाता है। लोगों ने प्रशासन से ओवरलोडिंग करने वाले वाहनों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और यातायात नियमों का पालन हो सके।

मनमाना किराया, फिर भी ओवरलोडिंग

टेंपो चालक सवारियों से मनमानी किराया वसूलने के बाद जमकर ओवरलोडिंग का चक्कर चला रहे हैं। क्षमता से अधिक सवारियां ढोना भी हादसे की वजह बन सकता है। यात्रियों ने बताया कि ई- रिक्शा संचालक भी टेंपो चालकों का अनुशरण करने में लगे है।

शहर में भी हो रही ओवरलोडिंग

राष्ट्रीय राजमार्ग और गोवर्धन मार्ग पर ओवरलोडिंग सवारियां ढोना कोई नहीं बात है, ऐसा शहर में भी हो रहा है। अधिक सवारियों के लालच में टेंपो चालक नियमों से खेल रहे हैं। गोवर्धन आने- जाने वाले टेंपों तो सवारियां को छत पर बैठाकर लाने ले जाने का काम कर हैं। फरह से गोवर्धन चाराहा तक टेंपों में भी ऐसे हालात हर दिन देखे जा सकते हैं।

जायंट्स ने आमों का किया वितरण

कार्यक्रम में झूमतीं जायंट्स ग्रुप आफ मथुरा की पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। अधिक मास में जायंट्स ग्रुप आफ मथुरा ने छटीकरा–वृंदावन चौराहा स्थित श्रीकृष्ण चैतन्य माधव आश्रम पर अधिकमास में 101 किलो आम राहगीरों को बाटकर पुण्य कमाया। कार्यक्रम संयोजक जायंट्स दिनेश अग्रवाल ने रोजाना पानी के टैंकरों को चलाने के लिए जल सेवा करने का संकल्प लिया। मिताली फौजदार ने बताया कि संस्था सदैव ही मानव सेवा के कार्यों को प्राथमिकता के साथ जायंट्स के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए संपादित करती रही है। इस मौके पर वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अशोक अग्रवाल, डॉ. ललित वार्ष्णेय, रवि गर्ग, मनीष अरोड़ा, बीना गर्ग आदि का सहयोग रहा। अध्यक्षता प्रदीप फौजदार ने की।

फिर बिगड़ी यातायात व्यवस्था

उमस भरी गर्मी में लोगों का हाल– बेहाल

वृंदावन में जाम के झाम में फंसे वाहन और लोग।

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़, ई- रिक्शा और चार पहिया वाहनों के कारण एक बार फिर यातायात व्यवस्था बिगड़ती नजर आई। लोगों को पांच मिनट का सफर पूरा करने में आधा और पौन घंटे लगा। कहीं–कहीं तो एक से दो घंटे तक लगे। सूरज निकलने के साथ ही जाम का झाम दिखाई देने लगा। श्रद्धालु सतवीर सिंह का कहना है कि शायद ई-रिक्शा चलाने वालों पर प्रशासन का अंकुश नहीं है। इसलिए तो ई रिक्शा की संख्या में जाम को बढ़ावा दे रही है। अटल्ला चुंगी चौराहा, सीएफसी चौराहा, हरिनिकुंज चौराहा, प्रेम मंदिर के निकट, रमणेरती पुलिस चौकी के पास समेत अन्य कई और इलाकों में जाम की समस्या से लोग त्रस्त नजर आए। हैरानी की बात तो यह है कि प्रशासन वृंदावन के लोगों को जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए एक बार नहीं कई बार आश्वासन दे चुका है, लेकिन अभी तक उसके आश्वासनों का कोई असर दिखाई नहीं दे रहा है।

तापमान / मौसम

43 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

28 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना
24 कैरेट 1,45,640
22 कैरेट 1,33,503
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी
2,50,000 प्रति किलो

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

फोन नंबर–0565–2420150,
मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

अंडरपास के नीचे बंध रहे पशु, गंदगी का अंबार

जिम्मेदार विभागों की खींचतान में अंडरपास पर अतिक्रमण

बाद अंडरपास के नीचे बंधी भैंस।

बाद गांव स्थित अंडरपास के नीचे ट्रैक्टर और अन्य मशीनरी।

यूनिक समय, मथुरा। आगरा से कोसीकलां तक राष्ट्रीय राजमार्ग का रखरखाव और अनुसरक्षण का काम महुवन टोल के जिम्मे हैं, यहां से ही इस राष्ट्रीय राजमार्ग के सुंदरीकरण का काम होता है, लेकिन एक किमी. का हिस्सा इस राजमार्ग में ऐसा है, जिसका अनुरक्षण और रखरखाव आगरा एनएचएआई के हवाले है। ऐसे में आगरा हाइवे की टीम इस हिस्से के सुंदरीकरण को ध्यान नहीं देती है। इस हिस्से पर बन पुल की सड़क में छोटी-छोटी खाई चालकों को परेशान करती हैं, जबकि गंदगी करोड़ों की आय के बाद भी रखरखाव पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करती है।

यह समाचार कुछ अटपटा है, लेकिन सच्चाई यही है। बाद गांव पर बनाए गए अंडरपास के एक किमी. क्षेत्र का रखरखाव आगरा एनएचएआई के

रखे जा रहे कृषि यंत्र और खड़े किए जा रहे ट्रैक्टर

बाद पुल की सड़क में हो गई हैं छोटी- छोटी खाई

जिम्मे होने से यहां अनुरक्षण और सुंदरीकरण का काम हवा- हवाई है। अंडरपास के नीचे इन दिनों ग्रामीणों का राज है, जो एनएचएआई के काम पर दाग लगाते हैं।

अडरपास के नीचे भैंस बांधी जा रही है, गोबर और गंदगी की वजह से यहां कोई रुक नहीं सकता है। अंडरपास के एक हिस्से के नीचे काफी गोबर फैला रहता है, कई पशु गंदगी को इधर- उधर बिखेरते हैं। कुछ बेसहारा गोवंशी भी यहां बैठे नजर आते हैं।

सांसद हेमामालिनी ने जता चुकी हैं नाराजगी

बाद अंडरपास के आसपास गंदगी और अतिक्रमण पर सांसद हेमामालिनी भी नाराजगी जता चुकी हैं। बीते महीने दिशा की बैठक में उन्होंने यह प्रकरण उठाया तो विप्रा ने कुछ अतिक्रमण पर महाबली भी चलाया, लेकिन आगरा एनएचएआई अपना काम नहीं कर सकी है। यही वजह है कि अंडरपास के नीचे आज भी गंदगी पसरी है।

बाद गांव के इस अंडरपास के नीचे खेती- किसानी में काम आने वाले यंत्र भी हर समय रखे देख जा सकते हैं, तो कई ट्रैक्टर और ट्रालियां भी यहां खड़ी रहती हैं, जिसे देखकर अहसास होता है कि करोड़ों की धनराशि खर्च करना व्यर्थ ही रहा है। अंडरपास के दूसरी ओर बिछी चारपाई और गंदगी स्वच्छता पर दाग लगाती हैं। इस अंडरपास के नीचे का वातावरण गंदगी से ग्रस्त ही नजर आता है। कुछ लोग यहां कारोबार करके अंडरपास को गंदगी की सौगात देते हैं। वहीं, अंडरपास के ऊपर बनी सीमेंट की सड़क में छोटी- छोटी खाई बनने से चालक परेशान होते हैं, ऐसी खाइयों से बचने क लिए वाहन को इधर- उधर करना पड़ता है, जिससे किसी दिन हादसा भी हो सकता है।

महुवन स्थित टोल प्लाजा के प्रबंधक ओकिल शर्मा का कहना है कि यह हिस्सा उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है, बाद अंडरपास का रखरखाव आगरा एनएचएआई के जिम्मे है।

कार ने ऑटो में मारी टक्कर, छह श्रद्धालु घायल

चौमुंहा- राधाकुंड रोड पर बुधवार बीती देर रात हुआ हादसा

घायल सभी श्रद्धालु एटा और कासंगज जनपद के हैं निवासी

यूनिक समय, चौमुंहा। बुधवार बीती रात छटीकरा-राधाकुंड रोड पर नगला मटली के पास ऑटो और अर्टिगा कार की आमने-सामने टक्कर में छह श्रद्धालु घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आटो सवार सभी घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया। पुलिस के अनुसार, ऑटो को सामने से आ रही अर्टिगा कार ने टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो सवार नमन कुर्मी (19) पुत्र दामोदर कुर्मी निवासी भदोरिया घाट थाना बीना, जिला सागर मध्य प्रदेश, सोना शर्मा (14) पुत्री श्याम सुंदर शर्मा, सुनीता (40) पत्नी जितेंद्र निवासी द्वारकापुरी थाना कोतवाली एटा, अंशिका भारद्वाज (21) पुत्री सुनील भारद्वाज निवासी शिवपुरी थाना कासगंज औरअनमोल (21) पुत्र राजेंद्र निवासी ईस चौराहा थाना सोरों जिला कासगंज घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने बताया कि मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

84 कोस यात्रा से लौट रहे श्रद्धालु की सड़क हादसे में मौत

यूनिक समय, सुरीर। अधिक मास में लग रहीं 84 कोस परिक्रमा को पूरी करने के बाद श्रद्वालु अपने घर लौट रहा था। रास्ते में बाइक अचानक अनियंत्रित होकर फिसल गई, जिससे वह गंभीर घायल हो गए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौहझील के चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

गुरुवार सुबह नौहझील-बाजना मार्ग स्थित खाटू श्याम मंदिर के पास वीरेंद्र पुत्र फूल सिंह यादव, निवासी ग्राम रामपुर, थाना बिलारी, मुरादाबाद 84 कोस की यात्रा बरसाना में समाप्त कर अपने साथियों के साथ बाइक से घर लौट रहा था। सुबह करीब पांच बजे खाटू श्याम मंदिर के निकट उनकी बाइक अचानक अनियंत्रित होकर फिसल गई, जिससे वह गंभीर घायल हो गए।

हादसे के बाद उनके साथी सोनू और अन्य श्रद्धालु उन्हें तत्काल उ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौहझील लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर चौकी इंचार्ज बाजना कट हरेंद्र सिंह तोमर मौके पर पहुंचे और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद शोक की लहर दौड़ गई।

यमुना एक्सप्रेसवे पर बाइक डिवाइडर से टकराई

एक युवक की मौत दूसरा गंभीर घायल

यूनिक समय, मथुरा। थाना राया क्षेत्र के अंतर्गत यमुना एक्सप्रेस-वे के राया कट के समीप गुरुवार की तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। वृंदावन से परिक्रमा लगाकर लौट रहे दो युवकों की बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर घायल हो गया।

लकी पुत्र मोहन स्वरूप निवासी राया की हादसे में घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई, जबकि श्याम सुंदर पुत्र प्रभात अग्रवाल निवासी राया गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही थाना राया पुलिस मौके पर पहुंच गई और घायल को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

अवैध चाकू के साथ युवक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना वृंदावन पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक युवक को अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, देर रात चलाए गए विशेष चेकिंग अभियान के दौरान एक संदिग्ध युवक को रोककर उसकी तलाशी ली गई, जिसमें उसके पास से अवैध चाकू बरामद हुआ। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान कान्हा पुत्र विजेंद्र निवासी कांशीराम कॉलोनी, थाना वृंदावन के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने उसे महेश्वरी सेवा सदन वाली गली के पास से गिरफ्तार किया।

फर्जी बैंक लोन लेने वाला आरोपी गिरफ्तार

पुलिस हिरासत में आरोपी।

यूनिक समय, चौमुंहा। थाना जैत पुलिस ने धोखाधड़ी और जालसाजी के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आज सुबह करीब 9:15 बजे चेकिंग अभियान के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग के भरतिया कट से आरोपी धर्मपाल ग्राम उझानी, थाना शेरगढ़ को गिरफ्तार किया है।

जैत प्रभारी निरीक्षक सोनू कुमार ने बताया कि आरोपी ने बैंक ऑफ बड़ौदा की छटीकरा शाखा में फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत कर ऋण प्राप्त किया था। मामले की जांच के बाद थाना जैत में धारा 420, 467, 468 और 471 भारतीय दंड संहिता के तहत पंजीकृत किया गया था। आरोपी लंबे समय से वांछित चल रहा था। इस कार्रवाई को थाना प्रभारी निरीक्षक सोनू कुमार के नेतृत्व में उपनिरीक्षक सुधीर राठी, हेड कांस्टेबल प्रमोद कुमार, हेड कांस्टेबल दिनेश कुमार की टीम ने अंजाम दिया।

ढर्रे पर नहीं लौट पा रही है विद्युत सप्लाई

रात में अघोषित कटौती से लोगों की उड़ी नींद

यूनिक समय, मथुरा। जून की गर्मी और बिजली संकट ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। शहर से लेकर गांवों तक बिजली की लगातार कटौती और बार-बार आने-जाने से आमजन परेशान हैं। हालत यह है कि लोगों को दिन में गर्मी और रात में बिजली कटौती का दोहरा सामना करना पड़ रहा है। घरों में लगे पंखे और कूलर बंद होने से लोगों की रातों की नींद तक उड़ गई है।

इन दिनों तापमान दोबारा से लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में लोगों को सबसे ज्यादा जरूरत बिजली की है, लेकिन बिजली आपूर्ति लगातार बाधित हो रही है। कई इलाकों में दिनभर कई बार बिजली गुल हो रही है, जबकि रात के समय भी लंबे कट लगाए जा रहे हैं। इससे छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में हालात और भी खराब बताए जा रहे हैं। गांवों में कई-कई घंटे बिजली नहीं आने से त्राहि-त्राहि मची हुई है। बिजली विभाग अक्सर आंधी, तेज हवा या तार टूटने का कारण बताकर बिजली बाधित होने की

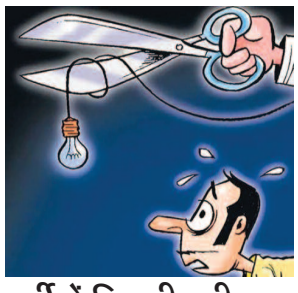

गर्मी में बिजली बनी सबसे बड़ी परेशानी शहर से गांव तक लोग परेशान

शिकायत पर भी अधिकारी नहीं उठा रहे फोन

बात कहता है, लेकिन लोगों का कहना है कि मौसम सामान्य रहने पर भी बिजली की आंख-मिचौनी फिर भी रहती है। सबसे बड़ी समस्या तब सामने आती है, जब उपभोक्ता शिकायत करने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को फोन

वृंदावन में विद्युत कटौती और वोल्टेज के उतार-चढ़ाव से लोग त्रस्त

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी के अधिकांश इलाके विद्युत कटौती और वोल्टेजों के उतार- चढ़ाव की चपेट में है। रात के वक्त तो लोगों की चैन वाली नींद भी उड़ गई है। कटौती के कारण लोग बिस्तर पर पड़े-पड़े विद्युत कर्मचारियों को कोसते हैं। विद्युत कटौती और बोल्टेज उतार चढ़ाव से त्रस्त लोग रात भर विद्युत सब स्टेशनों पर फोन करते हैं,लेकिन शिकायत यह रहती है कि कोई फोन रिसीव नहीं करता है। बस घंटी की आवाज सुनाई देती है। एसडीओ को मैसेज करके लोग अपनी शिकायत दर्ज कराते हैं तो कुछ सुनवाई होती है, लेकिन यह सिलसिला देर रात्रि तक चलता रहता है। अधिकांश लोगों की शिकायत यह है कि भीषण गर्मी के मौसम में सरकार के आदेश का पालन होने की बात दूर की बात है, कर्मचारी सुनने को तैयार नहीं है।

गेस्ट हाउसों में ठहरे श्रद्धालुओं का कहना है कि बोल्टेज के उतार-चढ़ाव के कारण एसी बंद कर दिए जाते हैं, शिकायत की जाती है तो जवाब मिलता है कि वोल्टेज कम आ रहे हैं या फिर यह कहा जाता है कि विद्युत कटौती से आपूर्ति गुल है। इस कारण बाहर से यहां ठहरे श्रद्धालु काफी परेशान रहते हैं।

करते हैं। लोगों का कहना है कि कई बार फोन ही नहीं उठाया जाता। वैसे, विद्युत विभाग के मुख्य अभियंता ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए थे कि वे 24 घंटे उपभोक्ताओं के फोन रिसीव करें और शिकायतों का तुरंत समाधान करें। इसके बावजूद कई जगहों पर इन आदेशों का पालन होता नजर नहीं आ रहा है। अधिकारी विभागीय निर्देशों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।

डीएम साहब, व्यवसाय की कराएं सुरक्षा

डीएम को ज्ञापन देने जाते वृंदावन से आए लोग।

यूनिक समय, मथुरा। गुरुवार को एक दर्जन से अधिक पुरुष आर महिलाएं कलेक्ट्रेट पर आए। प्रेम मंदिर के सामने कारोबार पर आ रही समस्याओं को लेकर डीएम को ज्ञापन सौंपा। बताया कि फुटपाथ पर कारोबार करने पर पुलिस परेशान करें, कोई आपत्ति नहीं, लेकिन पुलिस तो फुटपाथ से दूर कारोबार पर परेशान कर रही है।

धर्मवीर, डोली, अनु, शिवानी, प्रीती आदि महिलाओं और पुरुषों ने डीएम को बताया कि वह गरीब हैं, परिवार की उदर पूर्ति के लिए फुटपाथ से भी 10 फीट दूर कई साल से ढकेल और फ ड लगा रहे हैं। अब पुलिस और नगर निगम की टीम उनसे चौथ मांगते हैं, न

एक दर्जन से अधिक लोगों ने लगाई गुहार

प्रेम मंदिर के सामने पुलिस कर रही परेशान

देने पर

ढकेलों को फेंक देते हैं। तोड़फोड़ भी कर देते हैं, ऐसे में कारोबार नहीं हो रहा है, जिससे परिवार के सामने रोजी-रोटी का संकट आ गया है। सभी महिला- पुरुषों ने डीएम से कारोबार की सुरक्षा कराने की मांग की। इस दौरान ऐसे लोगों के साथ बच्चे भी मौजूद थे।

ब्रज कला चौपाल की सांस्कृतिक संध्या 13 को

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज कला, संस्कृति और साहित्य के संरक्षण- संवर्धन के लिए कार्यरत संस्था ब्रज कला चौपाल (अपना मंच) के चार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 13 जून को विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। कार्यक्रम दोपहर 2:30 बजे पांचजन्य प्रेक्षागृह डेम्पीयर नगर में प्रारंभ होगा, जिसमें सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, सम्मान समारोह और विभिन्न रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। संस्था की अध्यक्ष- संस्थापिका नम्रता सिंह ने बताया कि ब्रज कला चौपाल पिछले चार वर्षों से कला, साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जिले के कलाकार, साहित्यकार, समाजसेवी और विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य नागरिक सहभागिता करेंगे। उन्होंने जनपदवासियों से कार्यक्रम में पहुंचकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

गैंगस्टर एक्ट के आरोपी को दो वर्ष 10 माह की सजा

यूनिक समय, मथुरा। ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के अंतर्गत पुलिस की प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप गैंगस्टर एक्ट के एक आरोपी को न्यायालय ने दोषी ठहराते हुए कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई है। आरोपी संगठित गिरोह बनाकर चोरी, लूट और डकैती जैसी घटनाओं को अंजाम देकर आर्थिक एवं भौतिक लाभ प्राप्त करता था। न्यायालय एडीजे-05/स्पेशल गैंगस्टर एक्ट, मथुरा ने साक्ष्यों के आधार पर आरोपी रिंकू छौंकर निवासी ग्राम भगवान गढ़ी गोरई, थाना इगलास को दोषी करार देते हुए दो वर्ष 10 माह के कारावास और आठ हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई।

पांचजन्य प्रेक्षागृह में हार्टफुलनेस का ध्यान शिविर

दाजी ने कराया हृदय आधारित ध्यान का अभ्यास

ध्यान सत्र में पद्भूषण डॉ. कमलेश डी. पटेल (दाजी) ने किया मार्गदर्शन

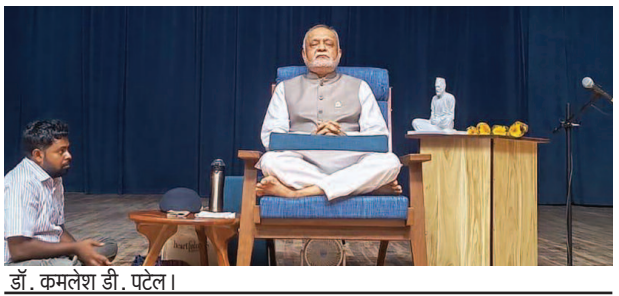

डॉ. कमलेश डी. पटेल।

यूनिक समय, मथुरा। वैश्विक आध्यात्मिक संस्था हार्टफुलनेस के तत्वावधान में डैंपियर नगर स्थित पांचजन्य प्रेक्षागृह में आयोजित ध्यान सत्र में हार्टफुलनेस के वैश्विक मार्गदर्शक और पद्म भूषण से सम्मानित डॉ. कमलेश डी. पटेल (दाजी) ने लोगों को हृदय-आधारित ध्यान का अभ्यास कराया। उन्होंने कहा कि मनुष्य के जीवन में शांति, संतुलन और आत्मिक उन्नति का आधार हृदय से जुड़ाव है। ईश्वर को केवल अनुभूति के माध्यम से ही जाना जा सकता है, अनुभूति के लिए ध्यान और प्रेम आवश्यक है।

दाजी ने कहा कि प्रेम केवल मनुष्यों तक सीमित न होकर संपूर्ण प्रकृति के प्रति होना चाहिए।

जब तक आंतरिक शुद्धि नहीं होगी, तब तक परमात्मा की अनुभूति संभव नहीं है।

उन्होंने धर्म को लेकर वर्तमान परिवेश की कड़वी सच्चाई पर भी प्रकाश डाला, भगवान श्रीकृष्ण जी के समय और वर्तमान युग की तुलना करते हुए अपने विचार रखे। जीवन में सरलता, प्रेम, करुणा और मानवीय मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया।

दाजी ने कहा कि हार्टफुलनेस ध्यान पद्धति केवल व्यक्तिगत आध्यात्मिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति को गृहस्थ- सामाजिक जीवन में भी संतुलित, संवेदनशील और उत्तरदायी बनने की प्रेरणा देती है।

कार्यक्रम के दौरान हार्टफुलनेस ध्यान पद्धति की प्रमुख प्रक्रियाओं शरीर और मन को शांत करना, हृदय पर ध्यान केंद्रित करना, प्राणाहुति और आंतरिक स्वच्छता-की भी जानकारी दी गई। ध्यान सत्र में प्राणाहुति ऊर्जा के माध्यम से साधकों को आंतरिक शांति, सकारात्मकता और आत्मिक संतुलन का अनुभव कराया गया।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजा कांत मिश्र, मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप, डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, परिषद की मुख्य कार्यपालक अधिकारी लक्ष्मी एन ने दाजी का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में नागरिकों, युवाओं और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोग मौजूद रहे।

प्राविधिक शिक्षा परिषद ने उड़ाई अपने ही आदेशों की धज्जियां

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश प्राविधिक शिक्षा परिषद एक बार फिर विवादों के घेरे में है। परिषद ने प्रदेश के फार्मेसी संस्थानों में होने वाली प्रायोगिक परीक्षाओं के लिए परीक्षकों की तैनाती कर दी है, लेकिन इस प्रक्रिया में परिषद के पूर्व सचिव द्वारा जारी आदेशों की अनदेखी किए जाने का आरोप लग रहा है। इससे सैकड़ों शिक्षकों में नाराजगी है।

परिषद के तत्कालीन सचिव अजीत कुमार मिश्रा ने 18 जुलाई 2025 को जारी आदेश में साफ निर्देश दिए थे कि लिखित परीक्षा की 500 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने वाले परीक्षकों को प्रायोगिक परीक्षा में ड्यूटी दी जाएगी। 500 से अधिक कॉपियों का मूल्यांकन करने वाले शिक्षकों को प्राथमिकता देने का भी प्रावधान किया गया था।

फार्मेसी प्रायोगिक परीक्षा में शिक्षकों में भारी नाराजगी

इसके बावजूद वर्ष 2026 की प्रायोगिक परीक्षा में बड़ी संख्या में ऐसे शिक्षक ड्यूटी से वंचित रह गए, जिन्होंने तय मानकों के अनुसार उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया था।

मामला सामने आने के बाद इंटरनेट मीडिया और विभिन्न शिक्षक समूहों में परिषद की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए जा रहे हैं। शिक्षकों का आरोप है कि परिषद ने अपने ही आदेशों का पालन नहीं किया, जिससे पारदर्शिता और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

सूत्रों के अनुसार, यह मामला प्राविधिक शिक्षा मंत्री, प्रमुख सचिव प्राविधिक शिक्षा विभाग, महानिदेशक और परिषद सचिव के संज्ञान में पहुंच चुका है। सवाल यह भी उठ रहा है कि सचिव की अध्यक्षता में गठित समिति से इतनी बड़ी चूक आखिर कैसे हो गई और इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर क्या कार्रवाई होगी।

देश की प्रमुख फार्मासिस्ट संस्था अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष शिव कुमार ने मुख्यमंत्री, विभागीय मंत्री और प्रमुख सचिव को पत्र भेजकर मामले की जांच और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। संगठन ने जल्द ही बड़े आंदोलन की चेतावनी भी दी है।

दाजी का पर्यावरणीय धरोहरों के संरक्षण पर जोर

धरोहरों को देखते दाजी, साथ हैं उ.प्र .तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र, कार्यपालक अधिकारी लक्ष्मी नागप्पन।

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र के साथ वैश्विक आध्यात्मिक संस्था हार्टफुलनेस के मार्गदर्शक- पद्म भूषण डॉ. कमलेश डी. पटेल (दाजी) ने ब्रज क्षेत्र की विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं और धरोहर स्थलों का भ्रमण किया।

दाजी ने बरसाना, अकबरपुर स्थित टीएफसी (टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर), छाता में प्रस्तावित वाटर म्यूजियम, कमई–करहला के वन क्षेत्र और ब्रजनाभ समाधि स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्य कार्यपालक अधिकारी लक्ष्मी नागप्पन ने निर्माणाधीन और प्रस्तावित परियोजनाओं की प्रगति से अवगत कराया। भ्रमण के दौरान परियोजनाओं के विकास, संरक्षण और संवर्धन की संभावनाओं पर चर्चा हुई। दाजी ने कहा कि ब्रज की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और पर्यावरणीय विरासत को संरक्षित करने, जन–जागरूकता बढ़ाने के लिए ये परियोजनाएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

सपा कार्यकर्ताओं ने सीएम के नाम डीएम को सौंपा ज्ञापन

ज्ञापन देने के दौरान नारेबाजी करते सपा कार्यकर्ता।

यूनिक समय, मथुरा। सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन डीएम को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से इंटरनेट मीडिया पर अदिति यादव के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित करने वालों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की गई। सपा नेता गौरव किशनपुरिया एडवोकेट के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि अदिति यादव की छवि धूमिल करने के उद्देश्य से कुछ लोगों द्वारा सोशल मीडिया पर सुनियोजित तरीके से झूठी और भ्रामक खबरें प्रसारित की जा रही हैं। ऐसे लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई कर उसकी संपत्ति पर बुलडोजर चलाने की मांग की है।

बाबा साहब आंबेडकर वाहिनी के महानगर अध्यक्ष रमेश सैनी ने कहा कि समाजवादी पार्टी महिलाओं और बेटियों के सम्मान की पक्षधर है, किसी भी प्रकार के चरित्र हनन को बर्दाश्त नहीं करेगी। राष्ट्रीय सचिव समाजवादी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ गौरव पांडे ने कहा कि यदि प्रशासन द्वारा समय रहते उचित कार्रवाई नहीं की गई तो कार्यकर्ता लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने को बाध्य होंगे। इस दौरान सोनू यादव, सीमा करण, सुरेश यादव, संजय, अग्रवाल, ललित मोहिनी स्वरूप शर्मा, रुपेश यादव,महेश उपाध्याय,दीनदयाल पचौरी, दिगंबर सिंह, राज गब्बर, प्रीतम निषाद, ऋषि पाराशर, नितिन सैनी एडवोकेट, मुकेश पहलवान, रमेश पचौरी,जावेद कुरैशी,मंगल यादव एडवोकेट सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अदिति यादव के खिलाफ भ्रामक प्रचार करने वालों पर कार्रवाई की मांग

धनगर जाति के प्रमाण पत्र कराए जाएं जारी

डीएम को ज्ञापन देने जाते राष्ट्रीय धनगर महासंघ के पदाधिकारी आदि।

यूनिक समय, मथुरा। गुरुवार को राष्ट्रीय धनगर महासभा के पदाधिकारी डीएम से मिले। धनगर समाज के लोगों को शासनादेश के अनुसार दिए गए निर्देशों के क्रम में अनुसूचित जाति के प्रमाण पत्र जारी कराने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा।

राष्ट्रीय धनगर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी धनगर और समाज के अन्य लोगों ने डीएम सीपी सिंह को ज्ञापन सौंपा। कहा कि अपर मुख्य सचिव आदेशों का पालन करते हुए मथुरा में धनगर समाज के लोगों को अनुसूचित जाति का प्रमाण पत्र जारी कराया गया। ऐसे जाति प्रमाण पत्र के लिए वर्तनी की गलती को लेकर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में प्रकरण विचाराधीन है। महासंघ ने डीएम से सभी एसडीएम और तहसीलदारों को अपर मुख्य सचिव की ओर से जारी किए गए आदेशों के क्रम में धनगर जाति के प्रमाण पत्र जारी करने के लिए निर्देश देने की मांग की। इस दौरान आनंद धनगर, शंकर लाल धनगर, राजकुमार धनगर, तेजपाल धनगर, सुनील धनगर, सुरेश धनगर, मनेंद्र धनगर, हेमंत धनगर, हरी सिंह धनगर, संजय धनगर आदि मौजूद रहे।

श्रद्धालु की हत्या के दोषी को आजीवन कारावास

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश पुलिस के ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत मथुरा पुलिस की प्रभावी पैरवी से हत्या के एक मामले में आरोपी को आजीवन कठोर कारावास की सजा सुनाई गई है। मामला थाना गोविंदनगर क्षेत्र का है, जहां गायत्री तपोभूमि आश्रम की यज्ञशाला में आए एक श्रद्धालु को आरोपी ने सब्जी पलटने वाले पलटे से हमला कर गंभीर घायल कर दिया था। उपचार के दौरान श्रद्धालु की मृत्यु हो गई थी। विवेचना एवं लोक अभियोजक की प्रभावी पैरवी के आधार पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मथुरा ने आरोपी प्यारेलाल निवासी नेवी सहिया, थाना साहिया, देहरादून को आजीवन कठोर कारावास और 20 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

जेपी इंफ्राटेक का मेडिकल कैंप बना लोगों के लिए राहत का केंद्र

यूनिक समय, मथुरा। 84 कोस परिक्रमा में शामिल श्रद्धालुओं की सुविधा और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए जेपी इंफ्राटेक (सुरक्षा ग्रुप) द्वारा यमुना एक्सप्रेसवे के बाघई ब्रिज के निकट संचालित 24 घंटे का मेडिकल हेल्थ कैंप श्रद्धालुओं के लिए राहत का केंद्र बना हुआ है।

कंपनी की कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) पहल के तहत लगाए गए इस शिविर में पहले दो दिनों के दौरान 1,640 परिक्रमार्थियों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं ली। मेडिकल कैंप में श्रद्धालुओं को दवा वितरण की, ब्लड प्रेशर और शुगर की जांच की।

प्राथमिक उपचार, पैरों में छाले और घाव से पीड़ित यात्रियों की मरहम–पट्टी की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। वहीं एजीएम (ऑपरेशन) भरत सिंह राठौड़ अपनी टीम के साथ कैंप पहुंचे और परिक्रमार्थियों को फल- शुद्ध पेयजल वितरित किया। यमुना एक्सप्रेस-वे के जीएम आनंद बृजराज सिंह ने बताया कि जेपी इंफ्राटेक समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए समय–समय पर विभिन्न जनहितकारी कार्यक्रम संचालित करती रही है।

दो दिनों में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने ली स्वास्थ्य सेवाएं

बीएसए कालेज ऑफ इंजीनियरिंग के छात्रों का नौकरी पाने में रहा दबदबा

छात्रों को मिली देश की प्रतिष्ठित कंपनियों में नौकरी

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी मथुरा ने उत्कृष्ट प्लेसमेंट का रिकॉर्ड स्थापित किया है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग एवं इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थियों ने शत-प्रतिशत प्लेसमेंट हासिल किया। संस्थान के विद्यार्थियों का चयन देश की अनेक प्रतिष्ठित औद्योगिक औरं इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों में हुआ है, जिससे कॉलेज की गुणवत्ता आधारित तकनीकी शिक्षा और उद्योगोन्मुख प्रशिक्षण की सफलता प्रमाणित हुई है।

प्लेसमेंट प्राप्त करने वाली प्रमुख कंपनियों में उत्तम स्ट्रिप्स लिमिटेड, जेबीएम ग्रुप, एनेमो प्राइम, कोका–कोला, सूर्य रोशनी लिमिटेड, क्वालिटी ऑस्ट्रिया सेंट्रल एशिया, नविटासिस इंडिया, एसडीएफ इंफ्रास्ट्रक्चर, इंडस टॉवर, यूनीप्रोडक्ट्स (इंडिया), यूआरबी इंजीनियरिंग, एयर फ्लो, एटीवी प्रोजेक्ट्स और फ्यूचर टेक डिजाइन आदि शामिल हैं। इस उपलब्धि पर मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष सुधीर कुमार बाजपेयी ने कहा कि मैकेनिकल इंजीनियरिंग आज भी विनिर्माण, ऑटोमोबाइल, ऊर्जा, उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण और औद्योगिक डिजाइन जैसे क्षेत्रों की आधारशिला है। वहीं, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष दुष्यंत बंसल ने कहा कि विद्युत ऊर्जा, स्मार्ट ग्रिड, ऑटोमेशन, इलेक्ट्रिक वाहन, पावर सिस्टम और आद्योगिक नियंत्रण के क्षेत्र में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरों के लिए व्यापक अवसर उपलब्ध हैं।

संस्थान के चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल ने सभी चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि हमारे कॉलेज के आसपास यह इकलौता ऐसा संस्थान है, जहां कोर ब्रांचेज का संचालन बेहद शानदार और बेहतरीन तरीके से किया जा रहा है। वाइस चेयरमैन इं. नितिन मित्तल, संचालन मंडल सदस्य इं. उमेश गोयल, निदेशक प्रो. श्याम सुंदर अग्रवाल, प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट विभागाध्यक्ष अमित अग्रवाल ने भी चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

चयनित छात्र-छात्राओं के साथ संस्थान के चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल ।

बीएसएसीईटी के मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग का शत–प्रतिशत प्लेसमेंट

एसबीआई पेंशनर्स एसोसिएशन ने किया विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन

यूनिक समय, मथुरा। एसबीआई पेंशनर्स एसोसिएशन, मथुरा के तत्वावधान में विगत दिवस वेद मंदिर, में विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन किया गया। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में विभिन्न देशों के बीच बढ़ते तनाव और युद्ध जैसी स्थितियों से उत्पन्न चिंताओं को देखते हुए इस महायज्ञ का आयोजन विश्व शांति, मानव कल्याण और आपसी सद्भावना की कामना के उद्देश्य से किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि आज विश्व के अनेक देश संघर्ष के मार्ग पर अग्रसर हैं, जिसका प्रत्यक्ष- अप्रत्यक्ष प्रभाव समूचे विश्व पर पड़ रहा है। इस मौके पर एसबीआई पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एसके सक्सेना,रमन लाल गुप्ता, सुरेश कुमार शर्मा, एनके शर्मा, मोर मुकुट शर्मा, ओपी गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारियों और समाजसेवियों का विशेष सहयोग रहा।

गर्मी और उमस से बढ़ा हार्ट अटैक का खतरा

हार्ट अटैक के बढ़ते खतरे के बीच बाबा रामदेव के खास टिप्स

यूनिक समय,नई दिल्ली । देशभर में भीषण गर्मी और बारिश के बाद बढ़ी उमस का असर अब लोगों की दिल की सेहत पर भी दिखने लगा है। विशेषज्ञों के मुताबिक, थर्मल स्ट्रेस के कारण हार्ट अटैक के मामलों में तेजी आई है। कानपुर के इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी के अनुसार, पिछले दो महीनों में हार्ट अटैक के मामलों में करीब 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। डॉक्टरों का कहना है कि तापमान बढ़ने पर शरीर का कूलिंग सिस्टम सक्रिय हो जाता है, जिससे अधिक पसीना निकलता है। इसके कारण शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी हो सकती है। डिहाइड्रेशन की स्थिति में रक्त का प्रवाह प्रभावित होता है और दिल पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इसका सबसे ज्यादा असर हार्ट ब्लॉकेज, हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज के मरीजों पर देखा

जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत में हार्ट संबंधी बीमारियां मौत का प्रमुख कारण बन चुकी हैं। कम उम्र में भी लोगों को हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। तनाव, धूम्रपान, हाई कोलेस्ट्रॉल, मोटापा, मधुमेह, नींद की कमी और हाई बीपी इसके प्रमुख कारण माने जाते हैं।

योग गुरु स्वामी रामदेव का कहना है कि दिल को स्वस्थ रखने के लिए नियमित व्यायाम बेहद जरूरी है। रोजाना एरोबिक्स, तेज चाल से चलना, जुम्बा या अन्य शारीरिक गतिविधियां करने से हार्ट मसल्स मजबूत होती हैं और ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। इसके अलावा

बाबा रामदेव के ये उपाय रखेंगे आपके दिल को फिट और हेल्दी

ऐसे रखें दिल को हेल्दी और स्ट्रॉन्ग

पर्याप्त पानी पीना, तनाव कम रखना, समय पर भोजन करना, जंक फूड से दूरी बनाना और 6 से 8 घंटे की नींद लेना भी जरूरी है। विशेषज्ञ प्लांट–बेस्ड और संतुलित आहार को भी दिल की सेहत के लिए फायदेमंद मानते हैं। यह जानकारी सामान्य जागरूकता के उद्देश्य से दी गई है। किसी भी स्वास्थ्य समस्या, डाइट या फिटनेस कार्यक्रम को अपनाने से पहले डॉक्टर की सलाह अवश्य लें।

डिजिटल दौर का नया ट्रेंड एक व्यक्ति, दो फोन

क्यों बदल रही है मोबाइल इस्तेमाल करने की आदत

यूनिक समय,नई दिल्ली। आज के डिजिटल दौर में स्मार्टफोन हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। सुबह उठने से लेकर रात सोने तक लगभग हर काम मोबाइल से ही होता है। लेकिन अब एक दिलचस्प ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है–लोग एक नहीं बल्कि दो–दो स्मार्टफोन इस्तेमाल कर रहे हैं। यह ट्रेंड सिर्फ बिजनेस प्रोफेशनल्स तक सीमित नहीं है, बल्कि स्टूडेंट्स, फ्रीलांसर, कंटेंट क्रिएटर्स और नौकरीपेशा लोग भी इसका हिस्सा बन चुके हैं। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण है काम और पर्सनल लाइफ को अलग रखना। एक ही फोन पर ऑफिस कॉल्स, ईमेल और पर्सनल मैसेज आने से लोग कन्फ्यूजन और तनाव महसूस करते हैं। डिजिटल वर्क कल्चर और हाइब्रिड जॉब मॉडल ने भी इस ट्रेंड को बढ़ावा दिया है। कई कंपनियां कर्मचारियों को अलग वर्क फोन या सिम देती हैं ताकि डेटा सुरक्षित रहे और काम के घंटे खत्म होने के बाद लोग रिलैक्स कर सकें। इसके अलावा साइबर सिक्योरिटी भी एक बड़ा कारण है। लोग एक फोन में बैंकिंग और जरूरी डेटा रखते हैं, जबकि दूसरे का इस्तेमाल सोशल मीडिया या सामान्य यूज के लिए करते हैं। कंटेंट क्रिएटर्स के लिए भी दो फोन काफी उपयोगी साबित हो रहे हैं– एक शूटिंग और काम के लिए, दूसरा पर्सनल इस्तेमाल के लिए।

गलत हेयर ऑयल बढ़ा सकता है बालों की परेशानी

यूनिक समय,नई दिल्ली। आजकल बालों से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। किसी के बाल जरूरत से ज्यादा झड़ रहे हैं, तो कोई डैंड्रफ, खुजली और ऑयली स्कैल्प से परेशान है। वहीं, कई लोगों के बाल इतने रूखे और बेजान हो जाते हैं कि उनकी चमक पूरी तरह गायब हो जाती है। ऐसे में ज्यादातर लोग विज्ञापन देखकर या दूसरों की सलाह पर कोई भी हेयर ऑयल इस्तेमाल करना शुरू कर देते हैं। लेकिन हेयर एक्सपर्ट्स का कहना है कि हर तेल हर तरह के बालों के लिए फायदेमंद नहीं होता। बालों की जरूरत और स्कैल्प की स्थिति के अनुसार सही तेल चुनना बेहद जरूरी है। विशेषज्ञों के मुताबिक, सही हेयर ऑयल न केवल बालों को पोषण देता है, बल्कि जड़ों को मजबूत बनाकर हेयर ग्रोथ को भी बेहतर करने में मदद कर सकता है। वहीं गलत तेल का इस्तेमाल कई बार बाल झड़ने, चिपचिपाहट और डैंड्रफ जैसी

समस्याओं को बढ़ा सकता है। अगर आपके बाल ड्राई, फ्रिजी और जल्दी टूटने वाले हैं, तो उन्हें गहरी नमी और पोषण की जरूरत होती है। ऐसे लोगों के लिए तिल का तेल, बादाम का तेल और अरंडी का तेल बेहतर विकल्प माने जाते हैं। इन तेलों में मौजूद विटामिन और फैटी एसिड बालों को अंदर से पोषण देकर उन्हें मुलायम और मजबूत बनाने में मदद करते हैं। वहीं, अगर आप हेयर फॉल, पतले बाल या कम उम्र में सफेद होते बालों से परेशान हैं, तो नारियल तेल, भृंगराज तेल और आंवला तेल फायदेमंद साबित हो सकते हैं। ये तेल स्कैल्प को पोषण देने के साथ बालों की जड़ों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। नियमित मालिश से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर हो सकता है, जिससे बालों की सेहत में सुधार आता है। ऑयली स्कैल्प वाले लोगों को अक्सर डैंड्रफ, खुजली और चिपचिपाहट की समस्या

बाल झड़ रहे हैं, डैंड्रफ नहीं हो रहा कंट्रोल

रहती है। ऐसे में सरसों का तेल, नीम का तेल और टी ट्री ऑयल युक्त हेयर ऑयल बेहतर माने जाते हैं। इनमें मौजूद एंटीबैक्टीरियल और स्कैल्प–क्लीनिंग गुण अतिरिक्त तेल को नियंत्रित करने और स्कैल्प को साफ रखने में मदद कर सकते हैं। हालांकि, सिर्फ सही तेल लगाने से ही बाल स्वस्थ नहीं बनते। संतुलित आहार, पर्याप्त पानी, अच्छी नींद और तनाव से दूरी भी बालों की सेहत के लिए बेहद जरूरी है। अगर बालों की समस्या लंबे समय तक बनी रहती है, तो किसी त्वचा या हेयर विशेषज्ञ से सलाह लेना बेहतर होगा। यह जानकारी सामान्य जागरूकता के लिए है। किसी भी हेयर केयर प्रोडक्ट या उपचार को अपनाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह अवश्य लें।

जिंदगी को बनाना है तनावमुक्त और खुशहाल?

यूनिक समय,नई दिल्ली। भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई सफलता, पैसा और बेहतर भविष्य की तलाश में जुटा है। लेकिन इस दौड़ में हम अक्सर उन छोटी–छोटी बातों को नजरअंदाज कर देते हैं, जो जीवन को तनावमुक्त और खुशहाल बना सकती हैं। कुछ ऐसे लाइफ लेसन होते हैं जिन्हें कोई किताब या व्यक्ति पूरी तरह नहीं सिखा सकता, बल्कि इन्हें हमें खुद समझना और अपनाना पड़ता है। सबसे पहला सबक है हर बात को निजी

हर छोटी–बड़ी बात की चिंता छोड़ें, मानसिक शांति के लिए जरूरी हैं तनाव छोड़ना

तौर पर लेना छोड़ देना। कई बार हम दूसरों की बातों या व्यवहार को खुद से जोड़कर देखने लगते हैं, जिससे बेवजह तनाव और गलतफहमियां पैदा होती हैं। हर घटना का केंद्र खुद को मानने की आदत छोड़ना मानसिक शांति के लिए जरूरी है। दूसरा महत्वपूर्ण सबक है अपनी सोच और मान्यताओं को समय–समय पर परखना। कई बार पुरानी धारणाएं हमें आगे बढ़ने से रोकती हैं। नई चीजों को सीखने और अलग नजरिए को अपनाने से जीवन में सकारात्मक बदलाव आ सकता है।

तनाव को संभालना भी एक जरूरी कला है। आज लगभग हर व्यक्ति किसी न किसी चिंता से जूझ रहा है। ऐसे में तनाव से भागने के बजाय उसे समझना और नियंत्रित करना सीखना जरूरी है। इसके अलावा, हर काम का परिणाम सोचकर परेशान होने के बजाय अपने प्रयासों पर ध्यान देना चाहिए। जब फोकस सिर्फ कर्म पर होता है, तो असफलता का डर कम हो जाता है और मन अधिक शांत रहता है। सबसे अहम बात, अपनी भावनाओं को कमजोरी न समझें। खुश होना, दुखी होना या भावुक होना इंसानी स्वभाव है। भावनाओं को स्वीकार करना बेहतर मानसिक स्वास्थ्य और संतुलित जीवन की पहचान है। ये 5 सरल लाइफ लेसन न केवल तनाव कम कर सकते हैं, बल्कि जिंदगी को ज्यादा संतुलित, सकारात्मक और खुशहाल बनाने में भी मददगार साबित हो सकते हैं।

ब्लैक कॉफी से चाहिए ज्यादा एनर्जी और फिटनेस

गलत समय पर पीने से कम हो सकते हैं इसके फायदे

यूनिक समय,नई दिल्ली। ब्लैक कॉफी दुनिया भर में सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले पेय पदार्थों में से एक है। कई लोग दिन की शुरुआत इसके साथ करते हैं, तो कुछ वजन घटाने और एनर्जी बढ़ाने के लिए दिन में कई बार ब्लैक कॉफी पीते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कॉफी पीने का सही समय क्या है? एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सही समय पर ब्लैक कॉफी पीने से इसके फायदे कई गुना बढ़ सकते हैं। अक्सर लोग सुबह उठते ही खाली पेट कॉफी पी लेते हैं, लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट्स इसे सही नहीं मानते। सुबह के समय शरीर में कॉर्टिसोल हार्मोन का स्तर स्वाभाविक रूप से अधिक होता है, जो हमें जगाने और एक्टिव रखने का काम करता है। ऐसे में कॉफी पीने से शरीर की नेचुरल एनर्जी प्रभावित हो सकती है। साथ ही खाली पेट कॉफी एसिडिटी और पेट में जलन जैसी समस्याएं भी बढ़ा सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, ब्लैक कॉफी पीने का सबसे अच्छा समय सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे के बीच माना जाता है। इस दौरान कॉर्टिसोल का स्तर कम होने लगता है और कैफीन शरीर को बेहतर एनर्जी देने में मदद करता है। वहीं, दोपहर में भोजन के बाद या वर्कआउट से करीब 30 मिनट पहले ब्लैक कॉफी पीना भी फायदेमंद माना जाता है।

सुविचार

भगवान पर अटूट विश्वास रखें, जीवन में सुख अवश्य मिलेगा।

कल का पंचांग

तिथि	द्वादशी	10:36-07:36 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	भरणी	06:28-04:05 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:27 AM	चन्द्रोदय	02:26 AM
सूर्यास्त		7:10 PM	चंद्रास्त	04:18 PM
सूर्य राशि		वृषभ राशि	चंद्र	मेष राशि
शुभ मुहूर्त		11:50AM -12:45 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:51-04:39
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		10:36 AM: 12:19 PM	वार	शुक्रवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: आज आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में सतर्कता रखें।

वृषभ: धैर्य और समझदारी से लिए गए निर्णय लाभ देंगे। रुका हुआ कार्य आगे बढ़ेगा।

मिथुन: संचार कौशल से सफलता मिलेगी। व्यापार में नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा।

कर्क: भावनाओं पर नियंत्रण रखना लाभकारी रहेगा। नौकरी में प्रगति के संकेत हैं। घरेलू वातावरण सुखद रहेगा।

सिंह: नेतृत्व क्षमता से प्रशंसा मिलेगी। महत्वपूर्ण कार्य समय पर पूरे होंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ सकती है।

कन्या: योजनाबद्ध कार्यशैली सफलता दिलाएगी। कार्यक्षेत्र में मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। पुराने विवाद सुलझ सकते हैं।

तुला: संतुलित व्यवहार से संबंध मजबूत होंगे। व्यवसाय में लाभ के संकेत हैं। रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक: आत्मविश्वास और साहस बढ़ेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सम्मान प्राप्त हो सकता है।

धनु: नई योजनाओं पर काम शुरू हो सकता है। शिक्षा और करियर में प्रगति के संकेत हैं।

मकर: अनुशासन और परिश्रम सफलता दिलाएंगे। नौकरी में सकारात्मक बदलाव संभव है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कुंभ: नवीन विचार लाभ दिला सकते हैं। मित्रों और सहयोगियों का साथ मिलेगा। व्यापार में विस्तार की संभावना है। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा।

मीन: आध्यात्मिक रुचि बढ़ेगी। मन शांत और सकारात्मक रहेगा। कार्यक्षेत्र में उपलब्धियां मिल सकती हैं। आर्थिक मामलों में लाभ के संकेत हैं। परिवार के साथ संबंध मधुर रहेंगे।

33 मालपुओं के महादान से बदल सकती है किस्मत

यूनिक समय, मथुरा। अधिकमास को सनातन धर्म में अत्यंत पुण्यदायी और भगवान विष्णु को समर्पित महीना माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दौरान किए गए जप, तप, दान और पूजा का फल कई गुना बढ़ जाता है। इसी क्रम में 33 मालपुओं के दान का विशेष महत्व बताया गया है। यदि कोई श्रद्धालु पूरे अधिकमास में यह दान नहीं कर पाया हो, तो वह अधिकमास की अमावस्या के दिन भी यह महादान कर सकता है। इस वर्ष अधिक अमावस्या 15 जून 2026 को मनाई जाएगी।

धार्मिक मान्यता है कि 33 मालपुओं का दान भगवान विष्णु तथा 33 कोटि देवी–देवताओं की कृपा प्राप्त करने का माध्यम माना जाता है। कहा जाता है कि इस दान से जीवन में आने वाली दरिद्रता, रोग, संकट और नकारात्मकता दूर होती है तथा सुख–समृद्धि का वास होता है। विद्वानों के अनुसार अधिकमास की अमावस्या पर यह दान करने से पूरे महीने के पुण्य कर्मों का विशेष फल प्राप्त होता है।

शास्त्रीय परंपरा के अनुसार मालपुए शुद्ध घी, आटा और गुड़ से बनाए जाते हैं। हालांकि गुड़ के स्थान पर शक्कर या चीनी का भी उपयोग किया जा सकता है। दान के लिए मालपुओं की संख्या 33 होना आवश्यक माना गया है। दान करते समय कांसे के पात्र का उपयोग श्रेष्ठ माना गया है। यदि कांसे का बर्तन उपलब्ध न हो तो नया मिट्टी का पात्र, पीतल का बर्तन या बांस की टोकरी भी इस्तेमाल की जा सकती है। सबसे पहले भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की विधिवत पूजा करें तथा मालपुओं को उनके समक्ष अर्पित करें। इसके बाद जल, पुष्प और अक्षत हाथ में लेकर परिवार के कल्याण और सुख–समृद्धि की प्रार्थना करें। मालपुओं के साथ श्रद्धानुसार दक्षिणा और तुलसी दल भी रखें। पूजा पूर्ण होने के बाद यह दान किसी योग्य ब्राह्मण को अर्पित करें और उनका आशीर्वाद प्राप्त करें। धार्मिक मान्यता है कि श्रद्धा और विधि–विधान से किया गया यह महादान जीवन में शुभ फल प्रदान करता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

सोना, चांदी या तांबा धातु में कौन सा है शुभ

हाथ का कड़ा चमकाए किस्मत

सही धातु का चयन माना जाता है शुभ

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय परंपरा में हाथ में कड़ा पहनने की प्रथा लंबे समय से चली आ रही है। कई लोग इसे धार्मिक आस्था, फैशन या परंपरा के रूप में धारण करते हैं, जबकि ज्योतिष शास्त्र में विभिन्न धातुओं के कड़ों को ग्रहों से जोड़कर देखा जाता है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार किसी व्यक्ति की कुंडली और ग्रह स्थिति के अनुरूप सही धातु का कड़ा धारण करने से सकारात्मक प्रभाव प्राप्त हो सकते हैं। वहीं बिना विचार के धारण किया गया कड़ा अपेक्षित लाभ नहीं दे सकता।

ज्योतिष शास्त्र में सोने का संबंध सूर्य और बृहस्पति ग्रह से माना गया है। मान्यता है कि सोने का कड़ा धारण करने से व्यक्ति के आत्मविश्वास, प्रतिष्ठा, ज्ञान और सामाजिक सम्मान में वृद्धि हो सकती है। इसे करियर और नेतृत्व क्षमता से भी जोड़ा जाता है।

चांदी का कड़ा चंद्रमा का प्रतिनिधित्व करता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह मानसिक शांति, भावनात्मक संतुलन और एकाग्रता बढ़ाने में सहायक माना जाता है। तनाव और क्रोध को नियंत्रित करने के लिए भी कई लोग चांदी धारण करते हैं।

लोहे या स्टील का कड़ा शनि ग्रह से जुड़ा माना जाता है। ज्योतिष विशेषज्ञों के अनुसार इसे सभी लोगों के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता। विशेष परिस्थितियों में, जैसे शनि की साढ़ेसाती, ढैय्या या शनि दोष के प्रभाव के दौरान, योग्य सलाह के बाद इसे धारण किया जाता है।

पीतल का संबंध बृहस्पति ग्रह से बताया गया है। इसे आध्यात्मिक उन्नति, धार्मिक कार्यों में रुचि और सकारात्मक सोच से जोड़कर देखा जाता है। वहीं तांबे का कड़ा सूर्य ग्रह का प्रतिनिधि माना जाता है। मान्यता है कि यह आत्मबल, ऊर्जा और कार्यक्षेत्र में प्रगति के लिए लाभकारी हो सकता है। इसके अलावा अष्टधातु से बने कड़े भी लोकप्रिय हैं। आठ धातुओं के मिश्रण से तैयार इस कड़े को शुभता, सुरक्षा और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। हालांकि किसी भी धातु का कड़ा धारण करने से पहले ज्योतिषीय सलाह लेना उचित माना जाता है।

रात के सन्नाटे में खिलती है इन राशियों की रचनात्मकता

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिष शास्त्र में कुछ ऐसी राशियों का उल्लेख मिलता है, जिनके जातकों की रचनात्मक क्षमता और कार्यक्षमता रात के समय अधिक सक्रिय मानी जाती है। मान्यता है कि दिनभर की भागदौड़ और शोरगुल के बाद मिलने वाला शांत वातावरण इन लोगों को बेहतर सोचने, सीखने और सृजन करने का अवसर देता है। यही वजह है कि ये लोग अक्सर देर रात तक पढ़ाई, लेखन, कला या अन्य रचनात्मक कार्यों में व्यस्त दिखाई देते हैं।

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार वृश्चिक राशि के जातक स्वभाव से गहरे विचारों वाले और मेहनती होते हैं। वे एकांत में रहकर काम करना पसंद करते हैं और रात का शांत माहौल उनकी एकाग्रता को बढ़ाता है। माना जाता है कि इस समय उनका अंतर्मन अधिक सक्रिय रहता है, जिससे वे अपने कार्यों पर बेहतर ध्यान केंद्रित कर पाते हैं।

कुंभ राशि के लोग अपनी मौलिक सोच और अलग पहचान बनाने की चाह के लिए जाने जाते हैं। शोर–शराबे से दूर रहना पसंद करने वाले ये जातक रात के सन्नाटे में अपनी कल्पनाओं को नई दिशा देते हैं। रचनात्मक और नवाचार से जुड़े कार्यों में उनकी सक्रियता इस समय अधिक देखी जाती है।

ज्योतिषीय मान्यताओं में खास मानी जाती हैं ये राशियां

वहीं मीन राशि के जातकों को अत्यंत कल्पनाशील और भावुक माना जाता है। कला, संगीत, लेखन और सृजनात्मक गतिविधियों में रुचि रखने वाले ये लोग रात के शांत वातावरण से प्रेरणा प्राप्त करते हैं। मान्यता है कि इस समय उनकी कल्पनाशक्ति चरम पर होती है और वे नए विचारों को आकार देने में सफल रहते हैं।

पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ाने के लिए छात्रों के बीच लोकप्रिय हैं गणेश मंत्र

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में भगवान गणेश को बुद्धि, ज्ञान, विवेक और सफलता का अधिष्ठाता देव माना जाता है। किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत गणेश वंदना से करने की परंपरा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान गणेश की उपासना करने से जीवन की बाधाएं दूर होती हैं और व्यक्ति को सही निर्णय लेने की शक्ति प्राप्त होती है। यही कारण है कि विद्यार्थी भी पढ़ाई में सफलता, बेहतर एकाग्रता और स्मरण शक्ति के लिए भगवान गणेश की पूजा–अर्चना करते हैं।

आज के प्रतिस्पर्धी दौर में कई छात्र पढ़ाई के दौरान ध्यान भटकने, याददाश्त कमजोर होने या पढ़े हुए विषय को जल्दी भूल जाने जैसी समस्याओं का सामना करते हैं। ऐसे में धार्मिक परंपराओं में वर्णित कुछ गणेश मंत्रों का नियमित जाप मानसिक शांति और आत्मविश्वास बढ़ाने वाला माना जाता है। सबसे लोकप्रिय मंत्र "ॐ गं गणपतये नमः" है। मान्यता है कि इसके नियमित जाप से मन शांत होता है और पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ाने में सहायता मिलती है। छात्र अध्ययन शुरू करने से पहले या परीक्षा के समय इसका जाप कर सकते हैं। दूसरा प्रसिद्ध मंत्र "वक्रतुंड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ, निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा" है। यह भगवान गणेश की स्तुति का महत्वपूर्ण श्लोक माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इसका पाठ करने से कार्यों में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं और आत्मविश्वास मजबूत होता है।

ज्ञान और बुद्धि के देवता की आराधना से मिलती है सकारात्मक ऊर्जा

इसके अलावा गणेश गायत्री मंत्र - "ॐ एकदन्ताय विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि, तन्नो दन्तिः प्रचोदयात्" को भी ज्ञान और बुद्धि प्राप्ति का विशेष मंत्र माना जाता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि इसके नियमित जाप से सकारात्मक सोच विकसित होती है और मानसिक क्षमता को बल मिलता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि मंत्र जाप मानसिक शांति और प्रेरणा प्रदान कर सकता है, लेकिन सफलता के लिए नियमित अध्ययन, अनुशासन, समय प्रबंधन और निरंतर अभ्यास भी उतना ही आवश्यक है। आस्था और परिश्रम का संतुलन ही विद्यार्थियों को बेहतर परिणाम दिलाने में सहायक बनता है।

सम्पादकीय

चिता की राख में रिश्तों की दिखती असलियत

श्मशान घाट को जीवन का सबसे बड़ा सत्य माना जाता है। यहां पहुंचकर मनुष्य अहंकार, स्वार्थ और महत्वाकांक्षाओं की क्षणभंगुरता को महसूस करता है। लेकिन बदलते सामाजिक परिवेश में श्मशान घाट कभी-कभी जीवन के सबसे कटु सत्य भी उजागर कर देता है। दुख तब और गहरा हो जाता है, जब किसी प्रियजन की चिता की आग ठंडी होने से पहले ही रिश्तों में संवेदनाओं की जगह संपत्ति और हिस्सेदारी की चर्चा शुरू हो जाती है।

पवन गौतम
संपादक

किसी अपने की मृत्यु परिवार के लिए केवल एक व्यक्ति को खोने का दुख नहीं होती, बल्कि भावनात्मक सहारे, यादों और जीवन के एक महत्वपूर्ण अध्याय के समाप्त होने का दर्द भी होती है। ऐसे समय में शोकाकुल परिवार को सांत्वना, धैर्य और साथ की जरूरत होती है। दुर्भाग्य से कई बार कुछ लोग इस संवेदनशील क्षण को भी आर्थिक हितों के चश्मे से देखने लगते हैं। बैंक खाते, जमीन, मकान और उत्तराधिकार जैसे विषय अचानक बातचीत का केंद्र बन जाते हैं।

यह सच है कि मृत्यु के बाद कानूनी और आर्थिक प्रक्रियाएं पूरी करनी पड़ती हैं, लेकिन हर बात का एक उचित समय होता है। जब परिवार गहरे सदमे में हो, तब अधिकारों और हिस्सेदारी की बहस उनके घावों पर नमक छिड़कने जैसा काम करती है। संवेदनशील समाज की पहचान यही है कि वह दुख के क्षणों में इंसान को इंसान समझे, किसी संपत्ति का वारिस नहीं।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी ताकत पारिवारिक सहयोग और सामुदायिक संवेदनाएं रही हैं। अंतिम संस्कार के समय लोग केवल कर्मकांड निभाने नहीं, बल्कि दुख बांटने के लिए पहुंचते थे। आज भी ऐसे लोगों की कमी नहीं है, लेकिन बढ़ती भौतिकता ने कुछ रिश्तों की गर्माहट जरूर कम की है।

दरअसल, श्मशान घाट केवल अंतिम विदाई का स्थान नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों की परीक्षा का स्थल भी है। वहां हमारा व्यवहार बताता है कि हम संवेदनाओं से संचालित समाज हैं या केवल स्वार्थों से बंधा समूह। जरूरत इस बात की है कि शोक के दिनों को संवेदना का समय रहने दिया जाए। उत्तराधिकार के प्रश्न कुछ दिन इंतजार कर सकते हैं, लेकिन टूटे हुए मन को संभालने का अवसर एक बार निकल जाए तो लौटकर नहीं आता।

नजरिया

दिल्ली जलती रही, व्यवस्था सोती रही

योगेश कुमार गोयल

दिल्ली एक बार फिर जल गई। धुएं से भरी इमारतों, चीखते लोगों और अपनों को खोजते परिजनों की तस्वीरों ने पूरे देश को झकझोर दिया। मालवीय नगर के हौजरानी क्षेत्र में हुए भीषण अग्निकांड में 21 लोगों की मौत केवल एक दुर्घटना नहीं थी बल्कि उस व्यवस्था की पोल खोलने वाली त्रासदी थी, जो वर्षों से भ्रष्टाचार, लापरवाही और जवाबदेही के अभाव की आग में सुलग रही है। सवाल यह नहीं कि आग कैसे लगी, बल्कि यह है कि ऐसी परिस्थितियां पैदा ही क्यों होने दी गईं, जिनमें एक चिंगारी ने इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जान ले ली।

मालवीय नगर हादसे की शुरुआती जांच ने जो तथ्य उजागर किए हैं, वे बेहद चिंताजनक हैं। जिस भवन में होटल और रेस्टोरेंट संचालित हो रहे थे, वहां क्षमता से कई गुना अधिक कमरे बनाए गए थे। निकास का केवल एक रास्ता था। बेसमेंट का उपयोग नियमों के विपरीत किया जा रहा था और सबसे गंभीर बात यह कि आपातकालीन स्थिति में बाहर निकलने का रास्ता बाधित था। जब आग लगी तो धुआं तेजी से पूरे भवन में फैल गया और लोगों को बच निकलने का अवसर ही नहीं मिला। कुछ लोगों ने तीसरी मंजिल से छलांग लगाकर जान बचाने का प्रयास किया। यह दृश्य किसी फिल्म का नहीं बल्कि भारत की राजधानी का था।

दिल्ली के अग्निकांडों का इतिहास उठाकर देखिए, लगभग हर घटना में कारण समान मिलेंगे–अवैध निर्माण, सुरक्षा मानकों की अनदेखी, बंद निकास द्वार, फर्जी प्रमाणपत्र और प्रशासनिक लापरवाही। 1997 का उपहार सिनेमा अग्निकांड हो, 1999 का लाल कुआं हादसा, 2019 की अनाज मंडी त्रासदी, करोल बाग का होटल अग्निकांड, मुंडका की फैक्टरी में लगी आग या फिर अलीपुर और विवेक विहार की घटनाएं–हर जगह व्यवस्था की वही पुरानी बीमारी दिखाई देती है।

उपहार सिनेमा कांड के बाद पूरे देश में सुरक्षा नियमों को लेकर गंभीर चर्चा हुई थी। अदालतों में लंबी लड़ाई चली, कानूनों को मजबूत बनाने की बातें हुईं और लोगों को विश्वास दिलाया गया कि ऐसी घटना दोबारा नहीं होगी। लेकिन तीन दशक बाद भी तस्वीर लगभग वैसी ही है। इसका मतलब साफ है कि हमने हादसों से सीखने की बजाय उन्हें भूलने की आदत बना ली है।

सबसे दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य यह है कि इन घटनाओं में मरने वाले अधिकांश लोग किसी गलती के दोषी नहीं होते। वे सामान्य नागरिक होते हैं, जो होटल में ठहरे होते हैं, फैक्टरी में काम कर रहे होते हैं, सिनेमा देखने गए होते हैं या अपने परिवार के साथ जीवन के सामान्य क्षण बिता रहे होते हैं। उनकी मौत का कारण केवल इतना होता है कि जिन संस्थाओं पर उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी थी, उन्होंने अपना कर्तव्य निभाने में विफलता दिखाई।

किसी भी अवैध इमारत का निर्माण रातों-रात नहीं हो जाता। उसकी योजना बनती है, नक्शा तैयार होता है, निर्माण सामग्री आती है, मंजिलें खड़ी होती हैं, बिजली-पानी के कनेक्शन मिलते हैं और फिर व्यवसाय शुरू हो जाता है। इस पूरी प्रक्रिया में नगर निकाय, विकास प्राधिकरण, अग्निशमन विभाग, बिजली विभाग और अन्य कई एजेंसियां प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी होती हैं।

ऐसे में यह मान लेना कि अधिकारियों को कुछ पता नहीं था, वास्तविकता से मुंह मोड़ना होगा। सच्चाई यह है कि अधिकांश अवैध निर्माण व्यवस्था की आंखों के सामने होते हैं। यदि किसी भवन को छह कमरों की अनुमति मिली है और उसमें 25 कमरे बना दिए जाते हैं, तो यह केवल भवन मालिक की नहीं बल्कि निगरानी तंत्र की भी विफलता है। यदि बिना फायर एनओसी के होटल वर्षों तक चलता रहता है, तो यह केवल कारोबारी की चालाकी नहीं बल्कि प्रशासनिक मिलीभगत का भी संकेत है।

यही कारण है कि हर अग्निकांड के बाद जनता के मन में सबसे बड़ा प्रश्न उठता है–क्या केवल भवन मालिक दोषी है या वे अधिकारी भी, जिन्होंने नियमों की अनदेखी की? दुर्भाग्य से अक्सर कार्रवाई केवल निचले स्तर तक सीमित रह जाती है। कुछ कर्मचारियों को निलंबित कर दिया जाता है, कुछ नोटिस जारी हो जाते हैं और मामला धीरे-धीरे ठंडा पड़ जाता है।

भारत में अक्सर हादसों के बाद संवेदनाएं व्यक्त की जाती हैं, मुआवजे की घोषणा होती है और जांच आयोग गठित कर दिए जाते हैं। लेकिन किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की असली कसौटी यह है कि वह दोषियों को कितना कठोर दंड देती है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या ठोस कदम उठाती है।

यदि किसी भवन में सुरक्षा नियमों की घोर अनदेखी के कारण लोगों की मौत होती है तो इसे केवल प्रशासनिक त्रुटि मानना पर्याप्त नहीं है। यह मानव जीवन के प्रति गंभीर लापरवाही है। ऐसे मामलों में भवन मालिकों के साथ-साथ संबंधित अधिकारियों की व्यक्तिगत जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। जब तक किसी अधिकारी को यह भय नहीं होगा कि नियमों की अनदेखी उसके करियर और स्वतंत्रता दोनों को खतरे में डाल सकती है, तब तक सुधार की उम्मीद अधूरी रहेगी।

दुनिया के कई देशों में सार्वजनिक सुरक्षा से जुड़े मामलों में अत्यंत कठोर दंड का प्रावधान है। वहां एक बड़ी दुर्घटना के बाद केवल संस्थागत नहीं बल्कि व्यक्तिगत जिम्मेदारी भी तय होती है। भारत में भी ऐसी व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता है, जहां जवाबदेही ऊपर तक पहुंचे।

समस्या केवल कानूनों की नहीं है। भारत में सुरक्षा को अक्सर खर्च समझा जाता है, निवेश नहीं। कई कारोबारी अग्निशमन उपकरणों को अतिरिक्त बोझ मानते हैं। नियमित सुरक्षा ऑडिट को औपचारिकता समझा जाता है। कर्मचारियों को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण नहीं दिया जाता। परिणाम यह होता है कि छोटी सी आग भी बड़े हादसे में बदल जाती है। दिल्ली जैसे महानगर में हजारों होटल, रेस्टोरेंट, अस्पताल, स्कूल, फैक्ट्रियां और व्यावसायिक प्रतिष्ठान संचालित हैं। इनमें से कितने संस्थानों में नियमित मॉक ड्रिल होती है? कितनी जगहों पर इमरजेंसी एग्जिट वास्तव में उपयोग योग्य हैं? कितने भवनों में अग्निशमन यंत्र कार्यशील अवस्था में हैं? इन सवालों के जवाब चिंताजनक हो सकते हैं।

समय की मांग है कि राजधानी में व्यापक सुरक्षा ऑडिट अभियान चलाया जाए। फायर एनओसी प्रणाली को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाया जाए। हर भवन की सुरक्षा स्थिति सार्वजनिक पोर्टल पर उपलब्ध हो ताकि नागरिक भी जानकारी प्राप्त कर सकें। अवैध निर्माण पर केवल जुर्माना लगाने की बजाय तत्काल ध्वस्तीकरण की नीति अपनाई जाए। साथ ही, आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण को अनिवार्य बनाया जाए। मालवीय नगर की त्रासदी केवल 21 लोगों की मौत का आंकड़ा नहीं है। यह उन परिवारों का दर्द है, जिनके सपने एक रात में राख हो गए। यह उन सवालों की गूंज है, जिनका जवाब वर्षों से नहीं मिला। यह उस व्यवस्था का आईना है, जो हादसों के बाद जागती है और कुछ समय बाद फिर सो जाती है।

आज आवश्यकता केवल शोक व्यक्त करने की नहीं, बल्कि आत्ममंथन करने की है। यदि इस बार भी जांच रिपोर्टों की फाइलें धूल फांकती रह गईं और जिम्मेदार लोग बच निकले, तो अगला अग्निकांड भी केवल समय का प्रश्न होगा। तब फिर वही बहस होगी, वही मुआवजे घोषित होंगे और वही वादे दोहराए जाएंगे।

दिल्ली को आग से नहीं, बल्कि उस सोच से बचाने की जरूरत है जो नियमों को कागज तक सीमित रखती है। क्योंकि सच यही है कि अधिकांश अग्निकांड आग नहीं, बल्कि व्यवस्था की विफलता से पैदा होते हैं। और जब तक इस विफलता को दूर नहीं किया जाएगा, तब तक बेगुनाह जिंदगियां इसी तरह भ्रष्ट तंत्र की कीमत चुकाती रहेंगी।

विचार विण्डो

प्रकृति और विकास साथ चलें तभी भविष्य सुरक्षित

बोध प्रकाश सगुणी

लंबे समय तक दुनिया में यह धारणा बनी रही कि आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण एक-दूसरे के विरोधी हैं। माना गया कि यदि उद्योग बढ़ेंगे तो जंगल कटेंगे, शहर विस्तार करेंगे तो नदियां प्रदूषित होंगी और आर्थिक समृद्धि आएगी तो प्रकृति को नुकसान होगा। दूसरी ओर पर्यावरण संरक्षण को अक्सर विकास की गति रोकने वाला कदम माना गया। लेकिन 21वीं सदी की सबसे बड़ी सीख यही है कि यह सोच अधूरी ही नहीं, बल्कि खतरनाक भी है। सच यह है कि प्रकृति और आर्थिक विकास विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। एक के बिना दूसरे का भविष्य सुरक्षित नहीं रह सकता।

यदि किसी देश की नदियां सूख जाएं, जंगल नष्ट हो जाएं, मिट्टी की उर्वरता खत्म हो जाए और जैव-विविधता लगातार घटती जाए तो वहां आर्थिक विकास भी अधिक समय तक टिक नहीं सकता। कृषि, पर्यटन, मत्स्य पालन, जलविद्युत, औषधि उद्योग और यहां तक कि शहरी अर्थव्यवस्था भी प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर करती है। इसलिए पर्यावरण संरक्षण कोई भावनात्मक या वैचारिक मुद्दा नहीं, बल्कि आर्थिक स्थिरता की अनिवार्य शर्त है।

भारत जैसे देश के लिए यह सवाल और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। दुनिया के सर्वाधिक जैव-विविध देशों में शामिल भारत हिमालय, पश्चिमी घाट, सुंदरवन, मैंग्रोव वन, विशाल तटीय क्षेत्रों और समृद्ध वन संपदा का घर है। यह प्राकृतिक पूंजी केवल पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार भी है। किसान, मछुआरे, वनवासी, पर्यटन उद्योग और अनेक छोटे-बड़े व्यवसाय प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इन्हीं संसाधनों पर निर्भर हैं।

दुर्भाग्य से अब जलवायु परिवर्तन और अनियोजित विकास के कारण यह प्राकृतिक संपदा अभूतपूर्व दबाव झेल रही है। हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन और ग्लेशियरों का पिघलना बढ़ रहा है। तटीय क्षेत्रों में कटाव तेज हो रहा है। जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ रही हैं। कई शहरों में जल संकट गंभीर रूप ले चुका है। पश्चिमी घाट और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में जैव-विविधता को लगातार नुकसान पहुंच रहा है। यह केवल पर्यावरण का संकट नहीं, बल्कि भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए भी चेतावनी है।

आज आवश्यकता संरक्षण और विकास के बीच चुनाव करने की नहीं, बल्कि दोनों के बीच संतुलन स्थापित करने की है। इसके लिए केवल

सरकारी योजनाएं और बजट पर्याप्त नहीं होंगे। दुनिया भर के अनुभव बताते हैं कि पर्यावरण संरक्षण में निजी क्षेत्र, वित्तीय संस्थानों और स्थानीय समुदायों की भागीदारी भी उतनी ही जरूरी है। यदि किसी गांव में जलस्रोतों के संरक्षण, मैंग्रोव वनों की रक्षा या जैव-विविधता बढ़ाने के प्रयासों से लोगों की आय बढ़ती है, तो संरक्षण एक जनआंदोलन बन सकता है।

इसी सोच से दुनिया में 'नेचर फाइनेंस' यानी प्रकृति वित्तपोषण की अवधारणा तेजी से उभर रही है।

इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पर्यावरण की रक्षा करने वालों को आर्थिक लाभ मिले और नुकसान पहुंचाने वालों को उसकी कीमत चुकानी पड़े। यह मॉडल संरक्षण को केवल नैतिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आर्थिक अवसर के रूप में भी स्थापित करता है। जब बाजार और पर्यावरण एक-दूसरे के सहयोगी बनते हैं, तब टिकाऊ विकास का रास्ता मजबूत होता है। कई विकसित देश इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। जैव-विविधता संरक्षण को निवेश, बीमा और वित्तीय योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। निजी कंपनियों को पर्यावरणीय जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि केवल दिखावटी हरित दावों के आधार पर कोई लाभ न उठा सके। इससे जवाबदेही और पारदर्शिता दोनों बढ़ती हैं।

भारत के पास इस क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व करने का अवसर है।

अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन जैसी पहलों के माध्यम से भारत पहले ही जलवायु मुद्दों पर अपनी भूमिका स्थापित कर चुका है। अब आवश्यकता जैव-विविधता और प्रकृति वित्तपोषण के क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभाने की है। इसके लिए एक स्पष्ट राष्ट्रीय रणनीति की जरूरत है, जिसमें पर्यावरण मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, बैंकिंग संस्थान, निजी क्षेत्र और स्थानीय समुदाय मिलकर काम करें।

विशेष रूप से मैंग्रोव संरक्षण, जलस्रोत पुनर्जीवन, वनों की सुरक्षा, प्राकृतिक खेती और ग्रामीण आजीविका से जुड़ी परियोजनाओं में बड़े निवेश को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। हालांकि यह भी ध्यान रखना होगा कि निजी भागीदारी का अर्थ अनियंत्रित व्यावसायीकरण नहीं होना चाहिए। पारदर्शिता, सख्त मानक, वैज्ञानिक मूल्यांकन और स्थानीय समुदायों की भागीदारी इसकी आधारशिला होनी चाहिए।

दरअसल, प्रकृति को बचाना केवल पेड़ लगाने या प्रदूषण कम करने का अभियान नहीं है। यह भविष्य की अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा, जल सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता को सुरक्षित करने का प्रयास है। यदि हम प्राकृतिक संसाधनों को केवल दोहन की वस्तु मानते रहेंगे तो विकास का आधार ही कमजोर हो जाएगा। वहीं यदि हम संरक्षण को आर्थिक अवसरों से जोड़ सकें, तो पर्यावरण और विकास दोनों को साथ लेकर चलना संभव होगा।

समय की मांग है कि हम प्रकृति और विकास को प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि साझेदार के रूप में देखें। क्योंकि आने वाले दशकों में वही देश सबसे अधिक सफल होंगे, जो अपनी प्राकृतिक संपदा को बचाते हुए आर्थिक प्रगति का नया मॉडल विकसित करेंगे। भारत के पास संसाधन भी हैं, क्षमता भी और अवसर भी। जरूरत केवल दूरदृष्टि, नीति-संकल्प और सामूहिक प्रयास की है। तभी प्रकृति भी सुरक्षित रहेगी और विकास भी टिकाऊ बनेगा।

युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने फिर दिखाया दम

वैभव सूर्यवंशी का जलवा जारी 200 स्ट्राइक रेट से खेली पारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। डंबुला (श्रीलंका) में खेले गए भारत के दूसरे लीग मुकाबले में एक बार फिर युवा भारतीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपने आक्रामक खेल से सभी का ध्यान खींच लिया। हालांकि वह सिर्फ 6 रन से अपना अर्धशतक पूरा करने से चूक गए और 44 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन उनकी पारी ने टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई और विपक्षी गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा। पारी की शुरुआत से ही वैभव सूर्यवंशी ने अपने खास अंदाज में बल्लेबाजी की और तेज गति से रन जुटाए। उन्होंने लगभग 200 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान अ के गेंदबाजों को किसी भी तरह की राहत नहीं दी। हालांकि, अफगानिस्तान की टीम ने उनके खिलाफ विशेष रणनीति अपनाई और ऑफ स्टंप के बाहर या शरीर के करीब गेंदबाजी कर उन्हें खुलकर शॉट

खेलने से रोकने की कोशिश की। अफगानिस्तान के गेंदबाज अब्दुल्लाह अहमदजई ने ओवर द विकेट और राउंड द विकेट दोनों एंगल से गेंदबाजी करते हुए बाएं हाथ के इस युवा बल्लेबाज की लय बिगाड़ने का प्रयास किया। उनकी रणनीति कुछ हद तक सफल भी रही, जब एक शॉर्ट गेंद पर वैभव सूर्यवंशी ने शॉट खेलने की कोशिश की और इशाक रहीमी ने विकेट के पीछे आसान कैच पकड़कर उनकी पारी का अंत कर दिया। आउट होने से पहले इस युवा बल्लेबाज ने कई शानदार शॉट्स लगाए। उनकी टाइमिंग और शॉट सिलेक्शन खास तौर पर देखने लायक रही। उन्होंने बैकफुट पर खेला गया आकर्षक कवर ड्राइव भी लगाया, जिसने दर्शकों को खूब प्रभावित किया। उनकी पारी में केवल ताकत ही नहीं बल्कि तकनीक और संयम का भी अच्छा मिश्रण देखने को मिला। उनके ओपनिंग पार्टनर प्रभसिमरन सिंह ने भी शानदार बल्लेबाजी की और 69 गेंदों में 84 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर भारत को एक मजबूत शुरुआत दिलाई, हालांकि टीम बड़े स्कोर में इसे बदलने में सफल नहीं हो सकी। मैच के बाद क्रिकेट विशेषज्ञों ने माना कि भले ही वैभव सूर्यवंशी बड़ा स्कोर नहीं बना पाए, लेकिन उनकी बल्लेबाजी में निरंतरता और आक्रमकता भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत हैं।

अफगानिस्तान अ के खिलाफ फिर चमके वैभव सूर्यवंशी

सलमान खान के पड़ोसी को हाईकोर्ट की फटकार

यूनिक समय, नई दिल्ली। सलमान खान के पनवेल फार्महाउस से जुड़े मानहानि मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने उनके पड़ोसी केतन कक्कड़ को कड़ी फटकार लगाई है। अदालत ने सोशल मीडिया पर अभिनेता के खिलाफ डाले गए आपत्तिजनक वीडियो और पोस्ट हटाने का निर्देश दिया है। जस्टिस शर्मिला देशमुख की बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा कि सोशल मीडिया की पहुंच का मतलब यह नहीं है कि कोई भी व्यक्ति किसी की छवि को नुकसान पहुंचाए। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि प्रॉपर्टी विवादों को कानूनी मंच पर सुलझाया जाना चाहिए, न कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर। अदालत ने केतन कक्कड़ से इस निर्देश पर 6 जुलाई तक जवाब मांगा है। यह मामला 2022 से चल रहा

है, जब सलमान खान ने आरोप लगाया था कि उनके पड़ोसी ने उनके खिलाफ भड़काऊ और अपमानजनक वीडियो पोस्ट किए। वहीं, कक्कड़ का दावा है कि उनके वीडियो सच्चाई पर आधारित हैं और यह मानहानि नहीं है। मामला अब भी हाईकोर्ट में विचाराधीन है और आगे की सुनवाई पर सभी की नजर बनी हुई है।

'अल्फा' की स्पाई थ्रिलर कास्ट का फर्स्ट लुक जारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। अल्फा हिंदी सिनेमा की एक बहुप्रतीक्षित स्पाई थ्रिलर फिल्म है, जिसे मशहूर निर्माता आदित्य चोपड़ा की यशराज फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है। यह फिल्म यशराज फिल्म का हिस्सा है और इसे निर्देशक शिव रवैल ने डायरेक्ट किया है। फिल्म का हाल ही में रिलीज हुआ टीजर दर्शकों के बीच काफी चर्चा में है। टीजर के बाद मेकर्स ने फिल्म की पूरी कास्ट और उनके फर्स्ट लुक भी जारी किए, जिसमें चार प्रमुख किरदारों को "सूरमा" यानी टॉप स्पाई एजेंट्स के रूप में दिखाया गया है। ये सभी किरदार अलग-अलग और खतरनाक मिशनों को अंजाम देते नजर आएंगे, जो फिल्म की कहानी को और भी रोमांचक बनाएंगे।

फिल्म को एक हाई-ऑक्टेन एक्शन और इमोशनल स्पाई ड्रामा के रूप में पेश किया जा रहा है, जिसमें

जासूसी, मिशन और पर्सनल इमोशन्स का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिलेगा। यशराज स्पाई यूनिवर्स की पिछली फिल्मों की तरह इसमें भी बड़े स्तर के एक्शन सीक्वेंस और इंटरनेशनल स्टाइल की कहानी होने की उम्मीद है। फिल्म को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह है और सोशल मीडिया पर लगातार इसकी चर्चा हो रही है। अब सभी दर्शक इसकी रिलीज डेट और कहानी से जुड़े नए अपडेट का इंतजार कर रहे हैं।

पंजाबी एक्ट्रेस ईशा रिखी ने रैपर बादशाह को बताया: पति देव

यूनिक समय, नई दिल्ली। पंजाबी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री ईशा रिखी और मशहूर रैपर बादशाह इन दिनों सोशल मीडिया पर अपनी एक पोस्ट को लेकर सुर्खियों में हैं। ईशा ने इंस्टाग्राम पर एक "आस्क मी एनीथिंग" सेशन के दौरान फैंस के सवालों का मजाकिया अंदाज में जवाब देते हुए बादशाह को "पति देव" कह दिया, जिसके बाद दोनों के रिश्ते को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। दरअसल, एक यूजर ने उनसे पूछा था कि अगर उनकी शादी बादशाह से हो चुकी है तो दोनों एक-दूसरे को इंस्टाग्राम पर फॉलो क्यों नहीं करते। इस पर ईशा ने हंसते हुए लिखा कि ऐसे सवाल लगातार पूछे जा रहे हैं और अब इनकी बाढ़ आ गई है। उन्होंने आगे मजाकिया अंदाज में कहा, "हां, मेरी शादी हो चुकी है," और फिर जोड़ते हुए लिखा कि अब इस सवाल का जवाब उनके "पति देव" बादशाह को देना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने बादशाह के साथ एक तस्वीर भी शेयर की, जिसमें दोनों बेहद करीब नजर आ रहे हैं।

इस फोटो के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर दोनों के रिश्ते की पुष्टि को लेकर अटकलें और तेज हो गई हैं। इससे पहले मार्च महीने में भी दोनों की पारंपरिक पंजाबी शादी जैसे आउटफिट में तस्वीरें वायरल हुई थीं, जिन्हें ईशा की मां ने साझा किया था। तस्वीरों के साथ "गॉड ब्लेस यू" लिखे जाने के बाद शादी की अफवाहों को और हवा मिली थी, हालांकि उस समय दोनों की तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया था। गौरतलब है कि बादशाह की पहली शादी जैस्मिन मसीह से हुई थी और उनकी एक बेटी भी है। 2020 में उनका तलाक हो गया था। वहीं, ईशा रिखी पंजाबी फिल्मों और बॉलीवुड में भी काम कर चुकी हैं और अपनी फिल्मों और मॉडलिंग के लिए जानी जाती हैं। सोशल मीडिया पर यह पूरा मामला अब फैंस के बीच चर्चा का बड़ा विषय बना हुआ है, जहां लोग इस "कपल" की सच्चाई जानने को उत्सुक हैं।

भारत में जन्मे निखिल चौधरी ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत में जन्मे ऑलराउंडर निखिल चौधरी को पहली बार ऑस्ट्रेलिया की टी 20 टीम में शामिल किया गया है। उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी 20 सीरीज के लिए चुना गया है। 30 वर्षीय निखिल को स्टार खिलाड़ी ट्रैविस हेड की जगह स्क्वॉड में मौका मिला है, जिन्हें इस सीरीज के लिए आराम दिया गया है। निखिल चौधरी मूल रूप से पंजाब में घरेलू क्रिकेट खेल चुके हैं और 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान ऑस्ट्रेलिया पहुंचे थे। वहीं उन्होंने ग्रेड क्रिकेट से लेकर तस्मानिया और होबार्ट हरिकेन्स तक अपनी मेहनत और प्रदर्शन के दम पर पहचान बनाई। अब उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने का सुनहरा अवसर मिल सकता है। हाल के वर्षों में निखिल का प्रदर्शन लगातार शानदार रहा है। उन्होंने बिग बैश लीग 2024-25 में होबार्ट हरिकेंस को खिताब जिताने में अहम भूमिका

निभाई। इसके अलावा, उन्होंने शेफील्ड शील्ड में अपना पहला शतक जड़ा और प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पहली बार पांच विकेट लेकर ऑलराउंड प्रदर्शन दिखाया। चयनकर्ताओं के अनुसार, निखिल लंबे समय से ऑस्ट्रेलिया की संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल थे। उनकी लगातार बेहतरीन फॉर्म और घरेलू क्रिकेट में प्रभावशाली प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है। हालांकि उनके पास अभी ऑस्ट्रेलियाई नागरिकता नहीं है, लेकिन आईसीसीआई रेजीडेंसी नियमों के अनुसार वे राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने के पात्र हैं।

निखिल का ऑस्ट्रेलिया पहुंचना भी एक दिलचस्प कहानी है। वह 2020 में अपने चाचा से मिलने क्वीसलैण्ड गए थे, लेकिन कोविड-19 लॉकडाउन के कारण वहीं फंस गए और बाद में उन्होंने वहीं से अपने क्रिकेट करियर को नया मोड़ दिया। ग्रेड क्रिकेट में प्रदर्शन के दौरान उनकी प्रतिभा को कोच जेम्स होप्स ने पहचाना, जिसके बाद उन्होंने इच्छ में लगातार शानदार प्रदर्शन किया। अब बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज में उनके पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने और खुद को बड़े मंच पर साबित करने का सुनहरा मौका है।

निखिल का ऑस्ट्रेलिया पहुंचना भी एक दिलचस्प कहानी

निखिल चौधरी मूल रूप से पंजाब में घरेलू क्रिकेट खेल चुके हैं

राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी को लेकर विवाद गहराया

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के आरोपों से बढ़ी सियासी हलचल

यूनिक समय, अयोध्या। राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। इस मामले में अब संत समाज, राजनीतिक दलों और राम मंदिर आंदोलन से जुड़े प्रमुख चेहरे भी खुलकर सामने आ गए हैं। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने एटा में कहा कि राम मंदिर में शिला पूजन के समय से ही अनियमितताओं और चोरी के आरोप लगते रहे हैं। उन्होंने मंदिर ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले भी जमीन खरीद और प्लॉट बिक्री को लेकर सवाल उठ चुके हैं।

इसी बीच खुद को राम मंदिर का पूर्व लेखा प्रभारी बताने वाले महिपाल सिंह ने दावा किया कि मंदिर में चढ़ावे की चोरी कोई नई बात नहीं थी। उनके अनुसार उन्होंने स्वयं चोरी पकड़ी थी और इसकी शिकायत चंपत राय तथा अन्य जिम्मेदार पदाधिकारियों से की थी। महिपाल ने आरोप लगाया कि शिकायत के अगले ही दिन उन्हें पद से हटा दिया गया और सीसीटीवी कैमरों की कई महीनों पुरानी फुटेज भी डिलीट करा दी गई। उन्होंने यह भी कहा कि सोने–चांदी के चढ़ावे का पूरा रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं था और इसके बारे में केवल कुछ चुनिंदा लोगों को ही जानकारी रहती थी।

राम मंदिर आंदोलन से जुड़े भाजपा नेता और बजरंग दल के संस्थापक विनय कटियार अयोध्या पहुंचे। उन्होंने कहा कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े इस मामले में पारदर्शिता जरूरी है और आरोपों की सच्चाई सामने लाने के लिए निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

इस विवाद की शुरुआत तब हुई जब समाजवादी पार्टी के नेता एवं पूर्व मंत्री पवन पांडेय ने मंदिर के चढ़ावे में 5 से 7.5 करोड़ रुपये की कथित चोरी का आरोप लगाया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी मामले में सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए जांच और सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करने की मांग की। वहीं उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने आरोपों को राजनीतिक बताया और कहा कि विपक्ष राम मंदिर को लेकर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहा है। भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर मामले की जांच सीबीआई और ईडी जैसी स्वतंत्र एजेंसियों से कराने की मांग की है। उन्होंने दान राशि की गिनती, बैंक में जमा प्रक्रिया और ऑडिट की विशेष जांच कराने की भी मांग उठाई है। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी इस संबंध में ट्रस्ट से रिपोर्ट मांगी है। राम मंदिर ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि चढ़ावे में किसी प्रकार की चोरी या गड़बड़ी की कोई पुष्टि नहीं हुई है। वहीं महंत कमल नयन दास ने कहा कि यदि कोई अनियमितता हुई है तो उसकी जांच होनी चाहिए, लेकिन मंदिर और ट्रस्ट पर आरोप लगाने वालों को भी आत्ममंथन करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि राम मंदिर ट्रस्ट के अनुसार दिसंबर 2025 तक मंदिर को कुल 4,575 करोड़ रुपये का दान प्राप्त हुआ था, जिसमें से लगभग 2,475 करोड़ रुपये मंदिर निर्माण, भूमि खरीद और अन्य विकास कार्यों पर खर्च किए जा चुके हैं। मंदिर प्रशासन के अनुसार चढ़ावे की गिनती बैंक कर्मचारियों की मौजूदगी में सीसीटीवी निगरानी के तहत की जाती है तथा पूरी प्रक्रिया का ऑडिट भी कराया जाता है। फिलहाल आरोप और प्रत्यारोपों के बीच देशभर की निगाहें संभावित जांच और उसकी रिपोर्ट पर टिकी हुई हैं, क्योंकि यह मामला करोड़ों राम भक्तों की आस्था और विश्वास से जुड़ा हुआ है।

शंकराचार्य और महिपाल ने लगाए आरोप

विनय कटियार ने मांगी निष्पक्ष जांच

सियासी दलों में तेज हुई बयानबाजी

ट्रस्ट ने आरोपों को किया खारिज

ऊर्जा मंत्री ने विभागीय कार्यशैली पर उठाए सवाल

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बिजली विभाग में ऊर्जा मंत्री और शीर्ष अधिकारियों के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने यूपी पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) के चेयरमैन को पत्र लिखकर विभागीय कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई है और कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर जवाब मांगा है।

मंत्री ने आरोप लगाया कि जून 2026 के बिजली बिलों में 10 प्रतिशत ईंधन अधिभार लागू करने का निर्णय उनकी जानकारी और अनुमति के बिना लिया गया। उनका कहना है कि ऐसे फैसलों से उपभोक्ताओं में गलत संदेश जाता है और सरकार की छवि प्रभावित होती है।

पत्र में उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि विभाग से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारियां उन्हें अधिकारियों के बजाय टीवी चैनलों और मीडिया रिपोर्टों से मिलती हैं। इसे उन्होंने प्रशासनिक समन्वय की गंभीर कमी बताया।

बिजली विभाग में बढ़ी तकरार

चेयरमैन से मांगा स्पष्टीकरण

ऊर्जा मंत्री ने संविदा कर्मचारियों की छंटनी को लेकर भी चिंता जताई है। उन्होंने आरोपों की जांच कर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। साथ ही कहा कि विभाग के महत्वपूर्ण निर्णयों में सरकार और नेतृत्व को विश्वास में लिया जाना चाहिए। इस पत्र के बाद विभागीय और राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है।

एनडीए सहयोगी दलों की सीटों पर दावेदारी तेज

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर एनडीए के सहयोगी दलों ने अपनी राजनीतिक रणनीति तेज कर दी है। दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई महत्वपूर्ण बैठक के बाद सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर और निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने 2022 में मिली सीटों के साथ–साथ उन विधानसभा सीटों की भी मांग रखी, जहां उनकी पार्टियों या भाजपा का प्रदर्शन दूसरे स्थान पर रहा था। दोनों दलों का कहना है कि मुस्लिम और यादव बहुल क्षेत्रों में उनके सामाजिक समीकरण मजबूत हैं और वे इन सीटों पर जीत दिलाने में सक्षम हैं। इसी भरोसे के साथ उन्होंने सीट बंटवारे में अधिक हिस्सेदारी की मांग की है। बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सहयोगी नेताओं से आत्मीय मुलाकात की और उन्हें एकता का संदेश देते हुए 'सबका साथ, सबका विकास' के लक्ष्य पर जोर दिया।

2022 के चुनाव में सुभासपा और निषाद पार्टी ने अलग–अलग गठबंधनों के तहत कुछ सीटों पर जीत हासिल की थी, जबकि अब दोनों एनडीए के साथ मिलकर 2027 की तैयारी में जुट गए हैं।

राजभर–निषाद ने अमित शाह से की मुलाकात

चुनावी रणनीति में बढ़ी राजनीतिक सक्रियता

आगरा में खराब सड़कों पर हुआ जोरदार प्रदर्शन

यूनिक समय, आगरा। आगरा कैंट रेलवे स्टेशन के बाहर जर्जर सड़कों और बड़े गड्ढों को लेकर हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार सुबह अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता सड़क पर बने गहरे गड्ढों में बैठ गए और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान "सड़क ध्वस्त, अधिकारी मस्त" जैसे नारे लिखे पोस्टर भी लहराए गए।

संगठन का कहना है कि यह क्षेत्र शहर का प्रमुख प्रवेश द्वार है, जहां से रोजाना हजारों यात्री और पर्यटक गुजरते हैं। गड्ढों के कारण लोगों को भारी

परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और दुर्घटना का खतरा भी बना हुआ है। प्रदर्शनकारियों ने नगर निगम से तत्काल सड़क मरम्मत की मांग की और चेतावनी दी कि जल्द कार्रवाई न होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित कर ज्ञापन लेने के बाद प्रदर्शन समाप्त कराया।

एटा सड़क हादसे में इंस्पेक्टर की दर्दनाक मौत

यूनिक समय, एटा। एटा में नेशनल हाइवे पर हुए भीषण सड़क हादसे में यूपी पुलिस के इंस्पेक्टर नवीन कुमार यादव की मौत हो गई। वह मुरादाबाद से तीन दिन की ट्रेनिंग पूरी कर एटा पुलिस लाइन लौट रहे थे, तभी उनकी ऑल्टो कार सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर–ट्रॉली से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई और इंस्पेक्टर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तुरंत मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि कार की रफ्तार काफी तेज थी। हादसा कासगंज–एटा रोड पर मिरहची थाना क्षेत्र के पास हुआ। नवीन कुमार 2022 में इंस्पेक्टर पद पर प्रमोट हुए थे और एटा पुलिस लाइन में तैनात थे। उनके परिवार में पत्नी, बेटा और बेटी हैं। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है और पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा।

ट्रेनिंग से लौटते समय ट्रैक्टर से टक्कर

पुलिस ने जांच शुरू की है

शक की बीमारी बढ़ा रही रिश्तों में दूरियां

यूनिक समय, गोरखपुर। बदलती जीवनशैली और बढ़ते मानसिक तनाव के बीच पति–पत्नी के रिश्तों में अविश्वास की समस्या तेजी से बढ़ रही है। गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज के मनोरोग विभाग में ऐसे कई मामले सामने आ रहे हैं, जहां पति या पत्नी अपने साथी पर बेवजह शक करते हुए रिश्तों को संकट में डाल रहे हैं।

डॉक्टरों के अनुसार कुछ मामलों में पत्नी घर से निकलते ही पति को बार–बार फोन कर उसकी लोकेशन पूछती है और वीडियो कॉल करने का दबाव बनाती है। वहीं कई पति अपनी पत्नी के फोन, सोशल मीडिया और गतिविधियों पर लगातार नजर रखते हैं। कुछ मामलों में तो नौकरी छोड़ने या घर

से बाहर निकलने पर भी रोक लगा दी जाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति कई बार डेल्यूजनल डिसऑर्डर यानी भ्रम संबंधी मानसिक विकार का रूप ले लेती है। इस बीमारी से ग्रस्त व्यक्ति बिना किसी ठोस प्रमाण के दूसरों पर शक करता है और अपनी धारणा को ही सत्य मानता है। इससे पारिवारिक जीवन, सामाजिक संबंध और मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित होने लगता है। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के मनोरोग विभाग के अनुसार ओपीडी में हर सप्ताह 10 से 15 ऐसे मरीज पहुंच रहे हैं। डॉक्टरों का कहना है कि समय पर पहचान और उचित उपचार से इस समस्या पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

विशेषज्ञों ने तनाव कम करने, पर्याप्त नींद लेने, परिवार और दोस्तों से जुड़े रहने, योग–ध्यान करने तथा जरूरत पड़ने पर मनोचिकित्सक या काउंसलर की मदद लेने की सलाह दी है। उनका मानना है कि संवाद और विश्वास ही स्वस्थ रिश्तों की सबसे मजबूत नींव हैं।

पति–पत्नी में बढ़ रहा अविश्वास

काउंसिलिंग की जरूरत पड़ रही

होटल में जीजा–साले की भिड़ंत, सड़क तक चला बवाल

यूनिक समय, आगरा। आगरा के इरादतनगर थाना क्षेत्र में एक होटल के अंदर उस समय हंगामा हो गया जब जीजा ने अपने साले को एक महिला के साथ संदिग्ध हालत में पकड़ लिया। इस बात को लेकर दोनों के बीच पहले होटल के अंदर कहासुनी हुई, जो जल्द ही मारपीट में बदल गई और मामला सड़क तक पहुंच गया।

हंगामे के दौरान महिला होटल की चौथी मंजिल पर पानी की टंकी के पीछे छिप गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और होटल की तलाशी ली। पुलिस ने महिला को सीढ़ी लगाकर

नीचे उतारा और थाने ले गई।

जीजा का आरोप है कि उसका साला लंबे समय से ऐसी हरकतों में शामिल है, जिससे उसका परिवार परेशान है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जबकि पुलिस मामले की जांच कर रही है और दोनों पक्षों से पूछताछ की जा रही है।

टीएमसी में बढ़ी अंदरूनी कलह

अभिषेक पर भड़के कल्याण

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में चुनावी झटके के बाद तृणमूल कांग्रेस के भीतर असंतोष लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है। अब पार्टी के वरिष्ठ नेता और सांसद कल्याण बनर्जी ने अभिषेक बनर्जी के खिलाफ खुलकर नाराजगी जताते हुए राजनीतिक हलकों में नई चर्चा छेड़ दी है। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि पार्टी नेतृत्व को उनके और अभिषेक बनर्जी के बीच किसी एक को चुनना होगा।

अभिषेक पर लगाए गंभीर आरोप, ममता के फैसले पर टिकी नजरें

विवाद की शुरुआत एक कानूनी मामले से हुई, जिसमें कल्याण बनर्जी अभिषेक बनर्जी की ओर से पैरवी कर रहे थे। कल्याण का आरोप है कि मामले से जुड़े महत्वपूर्ण फैसलों और नई याचिका की जानकारी उन्हें समय रहते नहीं दी गई। उन्होंने इसे अपने सम्मान की अनदेखी बताते हुए नाराजगी जाहिर की।

कल्याण बनर्जी ने अभिषेक पर अहंकारी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह वरिष्ठ नेताओं और सहयोगियों का सम्मान नहीं करते। उनका कहना है कि वर्षों के अनुभव और योगदान के बावजूद उनके साथ उचित व्यवहार नहीं किया गया। इसी वजह से उन्होंने संबंधित मामले की पैरवी से खुद को अलग कर लिया।

टीएमसी के भीतर यह विवाद ऐसे समय सामने आया है जब पार्टी पहले से ही कई नेताओं के इस्तीफों और बगावती तेवरों का सामना कर रही है। हाल के दिनों में कुछ सांसदों के पार्टी छोड़ने से संगठन पर दबाव बढ़ा है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि कल्याण बनर्जी जैसे वरिष्ठ नेता की नाराजगी पार्टी के लिए गंभीर संकेत हो सकती है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा है कि उनकी निष्ठा अब भी ममता बनर्जी के साथ है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि पार्टी नेतृत्व इस विवाद को किस तरह संभालता है और आने वाले दिनों में टीएमसी की रणनीति क्या रहती है।

राज्यसभा सांसद का इस्तीफा

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पार्टी के राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बड़ाइक ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफे के बाद उच्च सदन में टीएमसी की संख्या घटकर 10 सांसद रह जाएगी। इससे पहले भी हाल के दिनों में दो अन्य सांसद पार्टी छोड़ चुके हैं। प्रकाश चिक बड़ाइक ने राज्यसभा सभापति को भेजे पत्र में तत्काल प्रभाव से सदस्यता छोड़ने की बात कही है। साथ ही उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग के लिए सदन और अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि आने वाले दिनों में कुछ और सांसद भी इस्तीफा दे सकते हैं। इससे पार्टी नेतृत्व की चिंता बढ़ गई है। दूसरी ओर, विधानसभा और लोकसभा स्तर पर भी असंतोष की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। पार्टी के भीतर बढ़ती नाराजगी और नेताओं के बगावती तेवरों ने टीएमसी के सामने संगठनात्मक चुनौती खड़ी कर दी है। हालांकि पार्टी नेतृत्व की ओर से अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन लगातार हो रहे इस्तीफों ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में हलचल तेज कर दी है।

ओमान तट के पास भारतीय क्रू वाले जहाज पर हमला

दूतावास ने स्थानीय प्रशासन से साधा संपर्क

लगातार तीसरी घटना से बढ़ी चिंता

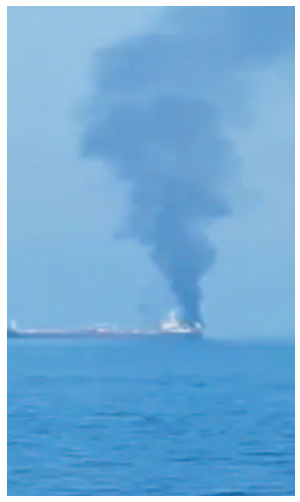

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओमान के शिनास बंदरगाह के पास भारतीय क्रू वाले मर्चेंट जहाज एमटी जलवीर पर हमले की सूचना सामने आने के बाद समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

जानकारी के अनुसार जहाज पर 20 से अधिक नाविक सवार थे। घटना के बाद ओमान स्थित भारतीय दूतावास ने कहा कि उसे मामले की जानकारी है और वह स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर स्थिति पर नजर रखे हुए है। फिलहाल हमले की प्रकृति, नुकसान की सीमा और किसी संभावित हताहत को लेकर आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

यह पिछले तीन दिनों में भारतीय संबंध वाले जहाजों से जुड़ी तीसरी बड़ी घटना मानी जा रही है। इससे पहले 8 जून को एमटी मैरिवेक्स पर संदिग्ध हमले के बाद आग लग गई थी, हालांकि उस जहाज पर मौजूद सभी 24 भारतीय चालक दल के सदस्य सुरक्षित बचा लिए गए थे। इसके बाद 10 जून को ओमान की खाड़ी में एमटी सेंटेबेलो पर हमला हुआ, जिसमें सवार 24 भारतीयों में से 21 को बचा लिया गया, जबकि तीन नाविकों की मौत की पुष्टि हुई थी।

इन घटनाओं के बाद भारत ने पहले हुए हमले पर कड़ा विरोध दर्ज कराया था और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग उठाई थी। लगातार हो रहे हमलों ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा और भारतीय नाविकों की संरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट पर दबोचा गया मोस्ट वांटेड गैंगस्टर

जॉर्जिया से प्रत्यर्पण कर लाया गया

कई राज्यों में दर्ज हैं मामले

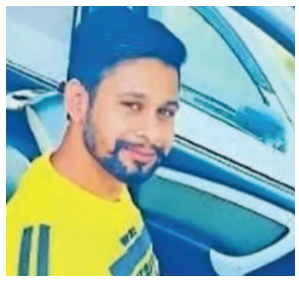

यूनिक समय, नई दिल्ली। हरियाणा, दिल्ली, पंजाब और चंडीगढ़ में हत्या, लूट और फिरौती के कई मामलों में वांछित गैंगस्टर वेंकटेश गर्ग को गुरुवार को दिल्ली एयरपोर्ट पर गिरफ्तार कर लिया गया। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने प्रत्यर्पण के बाद भारत पहुंचे वेंकटेश को हिरासत में लिया। उसके सिर पर दो लाख रुपये का इनाम घोषित था और वह लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल था।

जांच एजेंसियों के अनुसार वेंकटेश गर्ग जॉर्जिया में रहकर अपराधी नेटवर्क संचालित कर रहा था। उस पर सोशल मीडिया के माध्यम से शूटरों की भर्ती करने और विदेश में बैठकर वसूली गिरोह चलाने का आरोप है। नवंबर 2025 में भारतीय एजेंसियों की सूचना पर उसे जॉर्जिया में गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू हुई।

वेंकटेश का नाम गुरुग्राम में बसपा नेता हरबिलास रज्जूमाजरा की हत्या के मामले में भी सामने आया था। जनवरी 2025 में हुए इस हत्याकांड के बाद वह भारत छोड़कर जॉर्जिया भाग गया था। जांच एजेंसियों का दावा है कि वह वहां से अपराध गतिविधियों का संचालन कर रहा था।

भारत लाए जाने के बाद आरोपी को अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस उससे पूछताछ कर उसके नेटवर्क, सहयोगियों और विभिन्न मामलों में उसकी भूमिका की जांच करेगी। अधिकारियों को उम्मीद है कि पूछताछ से कई अहम जानकारियां सामने आ सकती हैं।

सुबह की एक्सरसाइज के दौरान जिम ट्रेनर की हत्या

सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

फायरिंग में युवती भी घायल

यूनिक समय, नई दिल्ली। हरियाणा के हांसी में गुरुवार सुबह एक जिम संचालक और ट्रेनर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। यह पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार दालमवाला गांव निवासी कपिल सुबह करीब 5:25 बजे अपने जिम के बाहर लोगों को एक्सरसाइज करवा रहा था। इसी दौरान बाइक सवार दो युवक वहां पहुंचे और अचानक फायरिंग शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हमलावरों ने कुछ ही सेकंड में कई राउंड गोलियां चलाईं, जिनमें से कई कपिल को लगीं। गंभीर चोटों के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। फायरिंग के दौरान वहां मौजूद शिखा नाम की एक युवती भी घायल हो गई। बताया जा रहा है कि उसे गोली के छर्रे लगे हैं। घायल युवती को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

छह हत्याओं से फिर भड़का मणिपुर का जातीय तनाव

मैतेई-कुकी विवाद की जड़ें पुरानी

जमीन और आरक्षण बना बड़ा कारण

यूनिक समय, नई दिल्ली। मणिपुर में छह लोगों की हत्या के बाद एक बार फिर मैतेई, कुकी और नगा समुदायों के बीच जारी जातीय तनाव चर्चा में है। हाल ही में बरामद हुए छह शवों ने राज्य में सुरक्षा और शांति व्यवस्था को लेकर नई चिंताएं खड़ी कर दी हैं। यह संघर्ष केवल हालिया घटनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि दशकों पुराने भूमि अधिकार, पहचान, आरक्षण और राजनीतिक प्रतिनिधित्व से जुड़े विवादों का परिणाम माना जाता है।

मणिपुर की आबादी और भूगोल भी इस विवाद का अहम कारण है। राज्य की अधिकांश आबादी इंफाल घाटी में रहने वाले मैतेई समुदाय की है, जबकि पहाड़ी क्षेत्रों में कुकी और नगा जनजातियां निवास करती हैं। मैतेई समुदाय लंबे समय से अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा मांग रहा है, जबकि आदिवासी समुदायों को आशंका है कि इससे उनके भूमि और अधिकार प्रभावित होंगे।

केदारनाथ ट्रेक पर दो युवाओं को शॉर्टकट पड़ा भारी

एक की मौत दूसरे श्रद्धालु की हालत गंभीर

खाई में गिरने से हुआ हादसा

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में केदारनाथ पैदल मार्ग पर शॉर्टकट का इस्तेमाल दो युवाओं के लिए जानलेवा साबित हुआ। अनधिकृत रास्ते से नीचे उतरते समय दोनों श्रद्धालुओं का पैर फिसल गया और वे गहरी खाई में जा गिरे। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। अधिकारियों के अनुसार घटना केदारनाथ ट्रेक मार्ग पर पोल नंबर 337 और 340 के बीच हुई। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ, पुलिस, वाईएमएफ कर्मियों और आपदा प्रबंधन टीम ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। बचाव दल ने दोनों युवकों को खाई से निकालकर चिकित्सा केंद्र पहुंचाया। घायल युवक की पहचान दिल्ली के गोकुलपुरी निवासी 27 वर्षीय मोहित के रूप में हुई है। चिकित्सकीय जांच में उसके पैर में फ्रैक्चर पाया गया, जिसके बाद उसे आगे के उपचार के लिए गौरीकुंड रेफर किया गया। वहीं दूसरे युवक प्रियांशु शुक्ला, निवासी फर्रुखाबाद (उत्तर प्रदेश), को बचाकर अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। केदारनाथ यात्रा के दौरान लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए प्रशासन ने यात्रियों से निर्धारित मार्गों का ही उपयोग करने की अपील की है। स्वास्थ्य विभाग और आपदा प्रबंधन टीमें पूरे यात्रा मार्ग पर हाई अलर्ट पर हैं।

अमेरिकी कंपनी ने भारत में बंद किया संचालन

करीब 250 कर्मचारियों की नौकरी गई

कंपनी ने ट्रांजिशन सहायता का आश्वासन

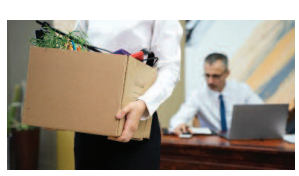

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका की डिजिटल रियल एस्टेट कंपनी ओपनडोर ने भारत में अपना कामकाज बंद करने का फैसला किया है। कंपनी के इस कदम से लगभग 250 कर्मचारियों की नौकरी प्रभावित हुई है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि यह निर्णय बिजनेस ट्रांसफॉर्मेशन रणनीति के तहत लिया गया है।

कंपनी के अनुसार, पिछले कुछ महीनों से ऑपरेशनल कार्यों को धीरे-धीरे अमेरिका स्थानांतरित किया जा रहा था। अब इस प्रक्रिया के पूरा होने के साथ भारत में संचालन पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। प्रबंधन का कहना है कि कंपनी के अधिकांश ग्राहक अमेरिका में हैं, इसलिए ग्राहकों के करीब रहकर सेवाएं देना अधिक प्रभावी होगा।

सीईओ ने यह भी स्पष्ट किया कि यह फैसला भारतीय कर्मचारियों के प्रदर्शन से जुड़ा नहीं है। उन्होंने भारत की टीम की सराहना करते हुए उन्हें प्रतिभाशाली और कुशल पेशेवर बताया। कंपनी का कहना है कि तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणालियों के बढ़ते उपयोग के कारण कई प्रक्रियाओं को स्थानीय स्तर पर संचालन करना संभव हो गया है।

प्रभावित कर्मचारियों को राहत देने के लिए कंपनी सेवरेंस पैकेज, आउटप्लेसमेंट सेवाएं और अन्य सहायता उपलब्ध कराएगी। कुछ कर्मचारी आवश्यक कार्यों के हस्तांतरण तक कंपनी के साथ बने रहेंगे। यह फैसला वैश्विक स्तर पर बदलते कारोबारी मॉडल और एआई आधारित कार्यप्रणाली की बढ़ती भूमिका को भी दर्शाता है।

यमुना में बाढ़,बचाव को जुटे अधिकारी

मेगा मॉक ड्रिल के दौरान चेतावनी देते एडीएम वित्त पंकज वर्मा। साथ हैं एसडीएम मांट दीपिका मेहर,सीओ मांट संदीप सिंह एवं अन्य अधिकारीगण।

ग्राम मझोई में यमुना तट पर रेस्क्यू आपरेशन के दौरान एसडीएम वैभव गुप्ता और सीओ भूषण वर्मा के साथ टीम के सदस्य।

छाता और मांट में आपदा प्रबंधन को परखने के लिए हुई मॉक ड्रिल

यूनिक समय, छाता/सुरीर। यमुना में संभावित बाढ़ को लेकर गुरुवार को प्रशासन ने तैयारियों की ओर एक कदम और बढ़ाया। छाता और सुरीर क्षेत्र के यमुना किनारे वाले गांवों में व्यापक स्तर पर आपदा प्रबंधन को मेगा मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इसमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

छाता तहसील के ग्राम मझोई में यमुना के तट पर जिला प्रशासन ने बाढ़ जैसी आपदाओं से निपटने की तैयारियों का आंकलन करने के लिए मॉक ड्रिल किया। यह अभ्यास लगभग छह घंटे तक चला, जिसमें प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीमों ने विषम परिस्थितियों में बचाव कार्यों का सजीव प्रदर्शन किया।

मॉक ड्रिल का संचालन एसडीएम वैभव गुप्ता और सीओ भूषण वर्मा के निर्देशन में हुआ। तहसीलदार सचिन पंवार, नायब तहसीलदार शिव शंकर पटेल उपस्थित थे। पुलिस और सुरक्षा टीमों में शेरगढ़ थाना प्रभारी अजय किशोर और विशम्भरा पुलिस चौकी प्रभारी महावीर सिंह मौजूद थे। सहयोगी विभागों से फायर टीम प्रभारी आलोक सिंह, आपूर्ति अधिकारी मोहन उपाध्याय, चिकित्सा विभाग की टीम और लोक निर्माण विभाग के अधिकारी- कर्मचारी भी उपस्थित थे।

सुरीरः जिला प्रशासन के निर्देश पर आज यमुना किनारे स्थित डागोली खादर, नगला बैसला और जहांगीरपुर क्षेत्र में व्यापक स्तर पर आपदा प्रबंधन की मेगा मॉक ड्रिल आयोजित की गई। एसडीएम दीपिका मेहर के नेतृत्व में आयोजित संयुक्त अभ्यास में पुलिस, राजस्व, स्वास्थ्य, विद्युत, लोक निर्माण विभाग, अग्निशमन सेवा और आपदा राहत से जुड़े विभागों ने बाढ़ जैसी आपात स्थिति में राहत- बचाव कार्यों का प्रदर्शन किया। मॉक ड्रिल के दौरान एडीएम वित्त डा. पंकज वर्मा, सीओ मांट संदीप सिंह, थाना मांट, नौहझील और सुरीर की पुलिस टीम, तहसीलदार सुनील गुप्ता, एसओ मांट जसवीर सिंह, कानूनगो भीम सिंह, लेखपाल रिंकू सिंह, नीलेश भारद्वाज सहित लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग, अग्निशमन सेवा और अन्य विभागों के अधिकारी- कर्मचारी उपस्थित रहे।

ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में हुआ नौका बिहार

ठाकुर द्वारकाधीश महाराज के नौका बिहार के दर्शनों से श्रद्धालु हुए निहाल।

यूनिक समय, मथुरा। मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश में आज प्रातः शयन दर्शन के समय ठाकुर जी नौका में विराजमान हुए और अपने भक्तों को दिव्य दर्शन किए।

मंदिर के विधि एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि अधिक मास उत्सवों के अंतर्गत शुक्र वार को शयन दर्शन के दौरान व्यावले मनोरथ का आयोजन किया जाएगा।

इसके विशेष दर्शन सायंकाल 6:30 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक श्रद्धालुओं के लिए खुले रहेंगे।

मथुरा में जर्जर तारों से आग, लोग दहशत में

यूनिक समय, मथुरा। गोकुल क्षेत्र में विद्युत तारों में अचानक आग लगने से देर रात अफरा–तफरी मच गई। तारों में तेज फॉल्ट के बाद चिंगारियां और पटाखों जैसी आवाजें आने लगीं, जिससे स्थानीय लोग घबरा गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग की लपटें कुछ ही देर में फैल गईं और पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। लोगों ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया, जो तेजी से वायरल हो रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में जर्जर तारों और अघोषित बिजली कटौती के कारण ऐसी घटनाएं लगातार हो रही हैं। शिकायतों के बावजूद विद्युत विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

राष्ट्रीय जूडो खिलाड़ी ईशा को स्कूटी भेंट कर किया सम्मानित

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन मार्ग स्थित अमर कॉलोनी निवासी पातीराम धनगर की पुत्री ईशा धनगर को राष्ट्रीय स्तर पर जूडो में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्कूटी भेंट कर सम्मानित किया गया। ईशा ने अंडर–19 वर्ग में राष्ट्रीय स्तर पर 10 स्वर्ण पदक जीतकर क्षेत्र और समाज का नाम रोशन किया है।

गणेशरा स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में उद्योगपति तेजू बघेल ने ईशा धनगर को स्कूटी भेंट करने की घोषणा की थी। उनके पिता पूरन सिंह बघेल ने ईशा को ग्रीनरी ईवी स्कूटी भेंट की। वक्ताओं ने कहा कि बेटियां परिवार, समाज और राष्ट्र का गौरव होती हैं, उनकी उपलब्धियां अन्य युवतियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनती हैं। इस अवसर पर राधेलाल धनगर, मुरारीलाल धनगर, डॉ.रमेश चंद्र, छीतरमल धनगर, रामप्रसाद, चंद्रभान धनगर, पातीराम धनगर, हेमंत धनगर, यादराम धनगर सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

जूडो खिलाड़ी ईशा को स्कूटी देकर सम्मानित करते पूरन सिंह बघेल आदि।

परिक्रमार्थियों को खिलाई खीर– पकौड़ी

यूनिक समय, वृंदावन। पुरुषोत्तम मास में एकादशी पर सेवाभावी लोगों ने परिक्रमा मार्ग स्थित गोरेदाऊजी मंदिर के पास परिक्रमार्थियों के लिए खीर- पकोड़ी और शर्बत का वितरण किया। इस मौके पर राजेश गोयल, राजेंद्र कुमार, मुन्ना जैन, हेमंत अग्रवाल, रजनी राठी, दिवा राठी, दिव्या अग्रवाल, हर्षित अग्रवाल, अधीरा अग्रवाल और धनरेंद्र अग्रवाल बॉबी आदि उपस्थित थे।

गंगा दशहरा पर श्रद्धालुओं को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

यूनिक समय, मथुरा। 24 जून को मनाए जाने वाले गंगा दशहरा पर्व को लेकर नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। नगर निगम कार्यालय भूतेश्वर में महापौर विनोद अग्रवाल और नगर आयुक्त जग प्रवेश की अध्यक्षता में सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की बैठक आयोजित की गई।

महापौर और नगर आयुक्त ने समीक्षा

स्वच्छता, सुरक्षा और व्यवस्थाओं के निर्देश

बैठक में निर्देश दिए गए कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नही होनी चाहिए। इसके लिए सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएं। यमुना नदी के दोनों किनारों पर सुरक्षा को लेका बैरिकेडिंग कराई जाएगी। गोताखोरों, स्टीमर, लाइफ जैकेट और अन्य सुरक्षा उपकरणों की पर्याप्त व्यवस्था तय की जाए। गहरे जल वाले स्थानों पर चेतावनी संकेतक और सूचना बोर्ड भी लगाए जाएंगे। महिला- पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग–अलग और ढके हुए चेंजिंग रूम बनाए जाएंगे, घाटों पर खोया–पाया शिविर स्थापित किए जाएंगे। शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए टैंकर और मोबाइल शौचालयों की व्यवस्था की जाएगी। नगर स्वास्थ्य अधिकारी को घाटों और संपर्क मार्गों पर उच्च स्तरीय सफाई व्यवस्था बनाए रखने तथा नियमित चूना छिड़काव कराने के निर्देश दिए गए हैं।

इस अवसर पर अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार, सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक, महाप्रबंधक जल मोहम्मद अनवर ख्वाजा, नगर स्वास्थ्य अधिकारी रामगोपाल, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी नरेंद्र यादव, सहायक अभियंता निर्माण सुमेश कुमार, अवर अभियंता विद्युत-यंत्र शैलेश कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सत्संग से ही संभव है मुक्तिः निरंकारी संत

निरंकारी सत्संग को सुनते श्रद्धालु।

यूनिक समय, मथुरा। सौंख रोड स्थित राधिका विहार में गुरुवार प्रातः संत निरंकारी मिशन द्वारा आध्यात्मिक जागरूकता अभियान के अंतर्गत सत्संग का आयोजन किया गया।

सत्संग में निरंकारी भक्तों ने भक्ति गीतों के माध्यम से प्रेम, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि हर बंदे में भगवान का वास है, इसलिए सभी से प्रेम करना चाहिए। निरंकारी संत विजय बहादुर ने सतगुरु माता सुदीक्षा का संदेश देते हुए कहा कि परमात्मा निर्गुण, निराकार और सर्वव्यापक है। केवल परमात्मा को मानना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उसे जानना भी आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि मनुष्य जीवन में विवेक का विशेष महत्व है, लेकिन यह विवेक सत्संग से ही जागृत होता है। मीडिया सहायक किशोर स्वर्ण ने बताया कि संत निरंकारी मिशन द्वारा विभिन्न कॉलोनियों में नियमित रूप से खुले सत्संग आयोजित कर लोगों को आध्यात्मिक जागरूकता का संदेश दिया जा रहा है। संचालन निरंकारी संत एसके रावत ने किया।

कमला एकादशी पर वृंदावन की परिक्रमा में राधे–राधे की गूंज

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। पुरुषोत्तम मास की कमला एकादशी पर पंचकोसीय परिक्रमा देने के लिए परिक्रमार्थियों का सैलाब उमड़ पड़ा। हर कोई राधा कृष्ण की भक्ति में नजर आया। चारों ओर राधे–राधे की गूंज सुनाई दी।

आधी रात के बाद से बच्चे, बड़े, बूढ़े और महिलाएं घरों से परिक्रमा देने के लिए निकल पड़े। किसी के हाथ में माला झोली, किसी के मुख पर राधे–राधे के स्वर थे। न शरीर में थकान और न कोई भूख की लालसा। सिर्फ जुनून था तो भक्ति का। इसी भक्ति के सहारे सभी लोगों के कदम परिक्रमा पूरी करने के लिए आगे बढ़े जा रहे थे। खास बात तो यह देखी गई कि हर किसी ने अलग –अलग स्थानों से परिक्रमा शुरु की और उसी स्थान पर ब्रज रज को सिर से लगाकर पूरी की।

आधी रात के बाद सुबह 10–11 बजे तक परिक्रमा खूब चली। तेज धूप में कुछ कम हो गई, जैसे ही सायं को सूर्यास्त होने लगा तो फिर परिक्रमार्थियों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो गई। परिक्रमा मार्ग में मानव श्रंखला नजर आई। रास्ते में परिक्रमार्थियों ने यमुना की पूजा-अर्चना कर जल का आचमन किया तो अटल्ला चुंगी चौराहा स्थित गिरिराज महाराज के मंदिर में दर्शन किए। अटल्ला चुंगी चौराहा और रमणरेती पुलिस चौकी चौराहे पर परिक्रमार्थियों के सैलाब को देखते हुए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ रही थी।

आधी रात के बाद से भक्तों की भीड़ उमड़ी

ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में उमड़ी भीड़

यूनिक समय, वृंदावन। अधिक मास की कमला एकादशी पर आज सुबह से ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में भक्तों की भीड़ नजर आई। प्रवेश के गेट नंबर तीन और चार से मंदिर के आंगन तक पहुंचने में भक्तों की पसीने छूट गए। ऐसा लग रहा था कि मंदिर के बाहर दर्शन करने के लिए कोई स्पर्धा हो रही हो। हर कोई आगे निकलकर दर्शन करने के लिए लायवित था। मंदिर के आंगन में सजे फूल बंगला की सुंगध से भक्त प्रफुल्लित हो उठे। ठाकुर राधाबल्लभ लाल मंदिर, ठाकुर राधारमण मंदिर, राधा दामोदरलाल मंदिर, राधा श्याम सुंदर मंदिर, अष्टसखी मंदिर, मदन मोहन मंदिर और गोविंद देव मंदिर में दर्शन करने वालों की भीड़ दिखाई दी।

अधर्म के विनाश को हुआ था श्रीकृष्ण का अवतारः रामकृष्णानंद

यूनिक समय, गोवर्धन। ठा. श्री राधाबल्लभ मंदिर सौभरेय ब्राह्मण चकलेश्वर रोड गोवर्धन में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन राष्ट्रीय कथा प्रवक्ता महामंडलेश्वर बृजराज स्वामी रामकृष्णानंद ने भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव, उनकी बाल लीलाओं और कंस के अत्याचारों का प्रसंग सुनाया।

कथा प्रवक्ता ने बताया कि बहन देवकी के विवाह के समय आकाशवाणी हुई थी कि देवकी की आठवीं संतान ही कंस के वध का कारण बनेगी। यह सुनते ही कंस क्रोधित हो उठा और देवकी का वध करने के लिए तैयार हो गया। तब वासुदेव ने कंस को वचन दिया कि देवकी से उत्पन्न होने वाली प्रत्येक संतान को वह स्वयं उसके हवाले कर देंगे। भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी की मध्यरात्रि को भगवान श्री कृष्ण ने कारागार में जन्म लिया।

भागवत कथा के दौरान बाल कान्हा के स्वरूप को दुलारते कथावाचक।

वासुदेव नवजात श्री कृष्ण को लेकर यमुना नदी पार करते हुए गोकुल पहुंचे। कथावाचक ने कान्हा की माखन चोरी, गोपियों के साथ रासलीला और गोवर्धन पर्वत धारण जैसी लीलाओं का वर्णन किया। श्रद्धालुओं ने भजन–कीर्तन और भगवान श्री कृष्ण के जयकारों के बीच भक्ति भाव से कथा का श्रवण किया।